मंदसौर से अहमदाबाद
एसी बस प्रतिदिन रात्रि 08.15बजे
(व्हाया-नीमच, उदयपुर)
जय श्री गणेश ट्रेवल्स
स्थान-महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड, मंदसौर
मो-9407259243, 8871603134



डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/ म.प्र./ मन्दसौर/ 122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

# गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 218 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 25 मई 2025 | मूल्य 2 रुपया



हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ

डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333


### प्रभारियों के भरोसे जिले के सरकारी विभाग...

# कप्तान बिना कैसे संभले कमान

## कर्मचारियों पर कंट्रोल नहीं, अतिरिक्त भार संभालकर निभ रही औपचारिकता

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस। बिना कप्तान के किसी भी खेल की टीम हो या कोई भी संस्था, संचालित होना मुश्किल है। अपने मंदसौर जिले के एक दो नहीं करीब डेढ़ दर्जन सरकारी विभागों की स्थिति यही है। सीधे जनता से जुड़े कई विभाग प्रभारियों या जुनियर अधिकारियों के भरोसे चल रहे हैं। जिस अधिकारी को प्रभार दिया गया है, उसके बाद अपने मूल काम होने के साथ ही प्रशासनिक बैठकें, वीसी, जनसुनवाई और टीएल बैठक के अलावा भोपाल संबंधित कई काम रहते है। ऐसे में प्रभार वाले विभाग पर कर्मचारियों पर नकेल कसना या सीधे संपर्क में रहना मुश्किल है। इन सबमें प्रभावित हो रही है आम जनता।**

बता दे कि जिले में शिक्षा विभाग से लेकर उच्च शिक्षा विभाग, जिला सहकारी बैंक, भू-अभिलेख, खाद्य, आरटीओ, कृषि, सहकारिता, महिला एवं बाल विकास, जिला योजना एवं सांख्यिकी, आदिम जाति कल्याण, सामाजिक न्याय, सहकारिता, पुरातत्व, अक्षय ऊर्जा जैसे कई बड़े विभागों को प्रभारी या जूनियर चला रहे हैं। ट्रांसफर, सेवानिवृत्ति सहित अन्य कारणों के चलते लंबे समय से ही फुल फ्रेश अधिकारियों का जिले में अभाव है।

### नगरपालिका में सबसे ज्यादा हालत खराब...

सबसे ज्यादा समस्या से लोग ग्रसित है तो नगरपालिका से। नपा की महत्वपूर्ण शाखाएं प्रभारियो के हवाले है। कई प्रभारी तो अधिकांश समय नगर पालिका में ही नहीं मिलते है। बार-बार फील्ड व अन्य कार्यों का हवाला दिया जाता है। ऐसे में लोगों परेशानी का सामना करना पड़ता है।

### प्राचार्यों को शिक्षाधिकारी बनाकर चलाते आ रहे काम...

ढाई साल से शिक्षा विभाग प्रभारियों के भरोसे है। लोकसेवकों को अतिशेष, वेतन व कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिले के अव्यवस्थित स्कूल व इनसे परेशान विद्यार्थी भी इससे अछूते नहीं हैं। आरएल कारपेंटर के जाने के बाद बालागंज स्कूल के सुदीप दास,

फिर कनिष्ठ अधिकारी लोकेंद्र डाबी व अब सुवासरा के कन्या उमावि स्कूल की प्राचार्य टेरेसा मिंज के पास डीईओ का प्रभार है। हाल ही में हुई बोर्ड परीक्षाओं में लापरवाहियां अनुभव की कमी के उदाहरण है।

### डीपीओ की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद यहां भी प्रभार...

डीपीओ डॉ. जैन की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद विभाग के डॉ. पीसी चौहान को प्रभार सौंपा। इसके बाद डिप्टी कलेक्टर स्वाति तिवारी को प्रभार दिया। अब दोबारा चौहान के पास प्रभार है।

### चर्चाओं में रहता पशु पालन विभाग...

पशुपालन विभाग में उपसंचालक डॉ. मनीष इंगोले को जिला योजना एवं सांख्यिकी का प्रभार दे रखा है। यह इनके काम के बिलकुल उलट है। पहले ही पशुपालन विभाग की जिले में हालत ठीक नहीं है। खामियों के चलते ही हाल ही में सीएम ने सीतामऊ में सभा के मंच से ही गौशालाओं की हालत सुधारने के निर्देश दिए थे। दो पदों के प्रभार के चलते जूनियर अधिकारियों के भरोसे ही विभाग है। हालांकि इससे पूर्व भी नियमो के विपरित डॉ. जेके जैन को इसका प्रभार दे रखा था।

### आरटीओ के सबसे बिगड़े हाल...

सबसे ज्यादा बिगड़े और बदनामी वाले हालातों में है तो वह है जिला परिवहन विभाग। जूनियर अधिकारी वीरेंद्र कुमार यादव के पास आरटीओ का प्रभार लंबे समय से है। लेकिन, विभाग हमेशा भ्रष्टाचार और लापरवाही से जन्में सवालों के बीच घिरा रहता है। कर्मचारियों पर प्रभारी का कंट्रोल ही नहीं है। हालात ये हैं कि लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन, फिटनेस सहित अन्य मामलों के एक हजार से ज्यादा प्रकरण पेंडिंग हैं। लोगों का कहना है कि अधिकांश समय कार्यालय में सन्नाटा पसरा पड़ा रहता है। इसके अलावा जनपद पंचायत के सीईओ व सामाजिक न्याय विभाग का प्रभार डिप्टी कलेक्टरों के पास है।

# शराब तस्करी के आरोपी से मिली चोरी की बाइक

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** बाईक से अवैध शराब की तस्करी की सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में शराब तस्करी का आरोपी बाइक चोर भी निकला। जिसने दो बाइक चोरी की वारदात कबूल की। कोतवाली पुलिस ने बताया कि 19 मई को नागुलाल मेहन निवासी शास्त्री कॉलोनी अफीम गोदाम रोड की बाइक चोरी हो गई। इसी तरह 21 मई को मनीष कुमार पाटीदार निवासी दलौदा की बाइक रेल्वे स्टेशन रोड स्थित बंधन बैंक के पास से चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

पुलिस ने बताया कि दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की। इस दौरान 23 मई को मुखबीर से सूचना मिली। जिसमें पता चला कि केसरीमल पिता लाभचन्द्र बावरी निवासी ढिकनिया थाना पिपलियामंडी का अवैध शराब ले जा रहा है। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी केसरीमल पिता लाभचन्द्र बावरी निवासी ढिकनिया थाना पिपलियामंडी को अवैध कच्ची शराब के साथ पकड़ा। उसके पास केन में पांच लीटर शराब मिली। घटना पर से धारा 49-ए आबकारी एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया तथा पुछताछ में आरोपी द्वारा उपरोक्त दोनो मोटरसायकले चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी की निशांदेही पर दोनो बाईक बरामद कर ली गई है।

लव-लैंड जिहाद, अवैध हथियार, ड्रग्स तस्करी रोकने की मांग...

# सड़क पर उतरा सर्व हिंदू समाज

## चांटा मारकर तिलक लगाने से किया था मना, बुल्डोजर एक्शन की मांग

**जावरा, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** हिन्दू जागरण मंच के नगर संयोजक को तिलक लगाकर आने पर चांटा मारने के विरोध में सर्व हिंदू समाज ने आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। शनिवार सुबह 11 बजे सर्व हिंदू समाज के लोग बड़ी संख्या में घंटाघर चौराहे पर एकत्र हुए। यहां से रैली निकालते हुए सीएसपी कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने आरोपियों के घर बुलडोजर चलाने, उन पर रासूका लगाने की मांग करते हुए पुलिस कप्तान और एसडीएम के नाम ज्ञापन सौंपा। सीएसपी ने आरोपी के खिलाफ एक्शन लेने का आश्वासन दिया।

ज्ञापन में आरोपियों के मोबाइल ट्रेस करने, आरोपियों के घर से हथियार जब्त करने, लव जिहाद, लैंड जिहाद, अवैध ड्रग और हथियार तस्करी रोकने की अपील भी की गई। दरअसल शुक्रवार शाम हिंदू जागरण मंच के नगर संयोजक सूरज महावर को आसिम पिता सलीम कुरैशी ने थप्पड़ मार दिया था। आसिम पर आरोप है कि उसने तिलक लगाकर आने की बात पर यह किया और उसे धमकाया कि मुस्लिम मोहल्ले में तिलक लगाकर आए तो गोली मार दी जाएगी। चांटा मारने का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुआ था।

### रात भरी तैनात रही पुलिस...

हिंदू संगठनों के विरोध व घटना को लेकर रात भर पुलिस जावरा में अलग-अलग क्षेत्रों में तैनात रही। पुलिस के अधिकारी लगातार घूमते रहे। जावरा सिटी थाना प्रभारी जितेंद्र जादौन ने बताया कि एक आरोपी को राउंडअप कर लिया है।

### कड़ी कार्रवाई कर रहे- सीएसपी

समाजजनों ने ज्ञापन सौंपा है। जो मांगे रखी है उनका विधि सम्मत निराकरण किया जाएगा। ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटना ना हो। क्षेत्र में बाहरी लोगों की भी जांच की जा रही है। चार लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। एक को हिरासत में लिया गया है।

### मगरमच्छ के हमले से मजदूर घायल

**नीमच, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** रतनगढ़ थाना क्षेत्र के गुंजली नदी में शुक्रवार शाम एक मगरमच्छ ने मजदूर पर हमला कर दिया। सैलाना तहसील के गांव का रहने वाला रमेश मजदूरी के लिए रतलाम से नीमच आया था। वह बोरदिया रोड पर अपने साथियों के साथ रह रहा था। काम से लौटने के बाद रमेश नदी में नहाने गया। जैसे ही वह पानी में उतरा, मगरमच्छ ने उसके पैर को अपने जबड़े में दबोच लिया। रमेश की चीख सुनकर उसके साथी मदद के लिए दौड़े। उन्होंने मगरमच्छ पर पत्थर बरसाए, जिसके बाद वह रमेश को छोडक़र गहरे पानी में चला गया। हमले ... **शेष 4 पर**

# डेढ़ करोड़ के ऑडिटोरियम का क्यों नहीं हो सकता उपयोग?

## तत्कालीन कलेक्टर मनोज पुष्प ने तैयार की थी योजना, चली गई उनके साथ

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** संजय गांधी उद्यान की तरह मेघदूत नगर में करीब डेढ़ करोड़ रूपए खर्च कर आधे अधूरे ऑडिटोरियम का उपयोग भी हो सकता है। तत्कालीन कलेक्टर मनोज पुष्प ने यह योजना तैयार की थी। लेकिन, उनके साथ ही यह योजना चली गई। अब तेलिया तालाब की डूब क्षेत्र की जमीन पर निर्माण कार्यो की रोक के एनजीटी के आदेश के बाद ऑडिटोरियम की राह आसान नहीं लग रही। ऐसे में अगर मांगलिग कार्यो के लिए इसका उपयोग किया जाए तो इससे शासन की आय भी बढ़ेगी।

नगर पालिका द्वारा नगर में वातानुकूलित ऑडिटोरियम निर्माण किए जाने की प्रक्रिया बारह साल पहले से चल रही है। तब शहर की जनता को दिखाया गया सपना अब तक नपा पूरा नहीं कर पाई है। 23 अगस्त 2010 को नगर में आयोजित एक सभा में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने इसके लिए 1

करोड़ रुपए देने की घोषणा की। इसके बाद नपा ने ऑडिटोरियम निर्माण की प्रक्रिया को तेज किया। ढाई साल बाद 24 फरवरी 2013 को परिषद में प्रस्ताव पास किया। इसमें ऑडिटोरियम निर्माण पर 1 करोड़ 11 लाख 48 हजार की स्वीकृति दी गई। ठेकेदार सोमेश भटनागर को नगर पालिका ने वर्क ऑर्डर जारी किया। इसके बाद ठेकेदार ने जून 2013 में निर्माण कार्य शुरू किया, लेकिन बाद में राशि समय पर नहीं मिलने से काम की रफ्तार भी रुकती रही। इसी बीच ठेकेदार द्वारा अतिरिक्त काम किए जाने पर नपा ने परिषद की बैठक में भुगतान के लिए 34 लाख की स्वीकृति भी प्रदान कर दी। ऑडिटोरियम निर्माण पर कुल 1.45 करोड़ रुपए खर्च हो गए। इसके बाद भी ऑडिटोरियम का काम अधूरा है। पिछले पांच साल से काम बंद है। इससे पहले जो कार्य हुआ वह भी जर्जर होने लगा है।

### जून 2013 में शुरू हुआ था कार्य...

ऑडिटोरियम का निर्माण कार्य नगर पालिका ने 11 साल पहले जून 2013 में शुरू करवाया था। प्रारंभ में ठेकेदार को यह कार्य 11 माह में ही पूरा करना था। लेकिन, शासन से राशि समय पर नहीं मिलने के कारण इस कार्य की समय अवधि मार्च 2015 की गई। यह अवधि बीते भी दस साल हो गए। इसके बाद भी निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हुआ है।

### अब काम पूरा होना मुश्किल...

अब इधर काम पूरा होना मुश्किल लग रहा है। इसका कारण है कि एनजीटी ने तेलिया तालाब की डूब क्षेत्र में आने वाली जमीन पर निर्माण कार्यो की अनुमति दिए जाने पर रोक लगा रखी है। ऐसे में यह भी डूब क्षेत्र की जमीन में है। यहीं कारण है कि अब इसका काम रुक गया है।

### कलेक्टर ने तैयार की थी योजना...

पूर्व कलेक्टर मनोज पुष्प ने योजना तैयार की थी। जिसमें आधे अधूरे ऑडिटोरियम की थोड़ी बहुत मरम्मत कर इसे किराये पर दिया जाना था। यहां मांगलिक कार्यो सहित अन्य कार्यो के लिए संजय गांधी उद्यान की तरह लोग किराये पर ले सकते। लेकिन कलेक्टर श्री पुष्प के साथ ही यह योजना स्थानांतरित हो गई।

# नौतपा आज से भीषण गरमी की संभावना, बारिश भी हो सकती

## असमय की बरसात से खेतों में जमा पानी, खेत नहीं हो पा रहे तैयार

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** आज 25 मई से नौतपा की शुरुआत होगी। मौसम वैज्ञानिकों के पूर्वानुमान के मुताबिक इस बार नौतपा प्री-मानसून बौछारों से भीगेगा। ऐसा हुआ तो लगातार पांचवें साल यह स्थिति बनेगी। अनुमान यह भी है कि 02 साल बाद नौतपा में सबसे अधिक बारिश हो सकती है। तीन बार ऐसा हुआ है जब नौतपा में औसत तापमान 43 डिग्री से ज्यादा रहा। बाकी वर्षों में नौतपा में दिन का औसत तापमान 40 डिग्री से 42 डिग्री के आसपास रहा। पिछले लगातार 02 साल से नौतपा का औसत तापमान 40 डिग्री से कम रहा। मौसम के इन खास 09 दिनों में कम तापमान का ट्रेंड भी 2023 से ही शुरू हुआ। इधर जिस समय गर्मी चरम पर होती है और तापमान भी शीर्ष पर उसी समय इस बार बारिश हो रही है। इसी कारण खेत के तपने के समय खेत बारिश से भीगे हुए है। खेतों में पानी इतना भरा हुआ कि किसान खरीफ सीजन के लिए खेत तैयार ही नहीं कर पा रहे है। इतना ही नहीं प्री-मानसून की इस बारिश से खरीफ सीजन की फसल के उत्पादन पर भी असर पड़ेगा और रोगों से लेकर कीट व खरपतवार की समस्या अत्यधिक होने की आशंका है। इसी कारण इस बारिश ने आने वाली फसल को लेकर किसानों को अभी से चिंता में डाल दिया है। किसानों का कहना है कि जमीन तपेगी नहीं तो उसकी नमी खत्म नहीं होगी और अभी नमी रहेगी तो बोवनी के बाद उत्पादन प्रभावित होगा। पिछले 20 दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण खरीफ सीजन की फसल को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। खेतों में जब तक नमी कम नहीं होगी खेत खरीफ के लिए तैयार नहीं हो सकते और हर दिन बारिश के कारण नमी खत्म नहीं हो रही है। इसके अलावा इतनी बारिश अभी होने से माना जा रहा है कि मानसून बिगड़ेगा। हालांकि, राहत इस बात से भी है कि यह भी कहा जा रहा है कि पहले भी ऐसा हुआ है। लेकिन, मानसून की मेहरबानी फिर भी जिले पर हुई है।

# दशपुर मंडी व्यापारी संघ के अध्यक्ष बने मनोज जैन पप्पू

## महामंत्री नरेंद्र जैन अन्ना, उपाध्यक्ष पद पर कन्हैया कुमावत और जीतेन्द्र अग्रवाल निर्वाचित, ब्रजेश गर्ग बने कोषाध्यक्ष

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** कृषि उपज मंडी समिति मंदसौर व्यापारी संघ के चुनाव शनिवार को संपन्न हुए। अध्यक्ष पद पर मनोज जैन पप्पू चुने गये। महामंत्री पद पर नरेंद्र जैन अन्ना भारी बहुमत से चुने गये। मंडी व्यापारी संघ के निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता नवीन कुमार जैन (कोठारी) ने बताया की शनिवार को मंदसौर मंडी व्यापारी संघ के चुनाव सानंद संपन्न हुए। चुनाव में अध्यक्ष मनोज जैन, उपाध्यक्ष कन्हैया कुमावत, उपाध्यक्ष जितेन्द्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ब्रजेश गर्ग, महामंत्री नरेंद्र जैन, मंत्री योगेश भट्ट चुने गये। कार्यकारिणी में अरविन्द जैन, अशोक मित्तल, गजेंद्र नाहर, गौरव जैन, जय कुमार बड़जात्या, कमलेश कोटवानी, नवीन कुमार जैन, पूरनमल उर्फ पीसी कुमावत एवं विकास कुमार जैन निर्वाचित घोषित किया गया।

### गांधी चौराहा की कहानी भी चर्चा में...

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** एट लेन पर बीजेपी नेता की करतूत के बाद अब मंदसौर के गांधी चौराहा पर हुई एक और कहानी की चर्चा लगातार चर्चा में हैं। इस कहानी में कथित युवती की कशिश इतनी ज्यादा दिख रही हैं की वह पुलिस और प्रशासन को भी ठेंगा दिखाती दिख रही हैं। आश्चर्य की बात यह हैं कि वीडियो वायरल होने के बाद भी अभी तक पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही किये जाने की खबर नहीं मिली हैं। खैर, मंदसौर पुलिस को जब तक कोई फरियादी नहीं मिले तब तक वो इंतजार करती हैं और जब यह लग जाय की अब कार्यवाही करना जरुरी हैं तो फरियादी भी खुद ढूंढ लेती हैं!

### 12वीं में 75 प्रतिशत या ज्यादा अंक लाने वालों को मिलेगा लाभ...

# जल्द मिलेगा बच्चों को लेपटॉप

## स्कूल शिक्षा विभाग ने भेजी सूची, एक हफ्ते में बैंक डिटेल दर्ज कराने के निर्देश

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** हायर सेकेंडरी परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियो के खाते में लेपटाप के लिए 25 हजार रुपए भेजने स्कूल शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों की बैंक डिटेल मांगी है। इसके लिए सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से कहा है कि एक सप्ताह में अपने जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की सूची के आधार पर बैंक खाते की डिटेल शिक्षा पोर्टल पर अपडेट कराएं ताकि सिंगल क्लिक के माध्यम से 25-25 हजार रुपए भेजे जा सकें।

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षा मंडल की वर्ष 2024-25 की हायर सेकेंडरी परीक्षा में 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों को शिक्षा पोर्टल बैंक खाते दर्ज करने के निर्देश लोक शिक्षण संचालनालय ने जारी किए हैं। इसमें कहा है कि मुख्यमंत्री की उपस्थिति में 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत या अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को लेपटाप खरीदी के लिए 25-25 हजार रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी जाती है। अब चूंकि परीक्षा परिणाम घोषित हो गए हैं तो तय मापदंड को पूरा करने वाले विद्यार्थियों की जानकारी सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को भेजी गई है। इसलिए सभी जिला शिक्षा अधिकारी इसके लिए काम करेंगे।

### गलत खाते होने से नहीं पहुंच पाती रकम...

लोक शिक्षण संचालनालय ने कहा है कि अक्सर यह देखने में आया है कि

स्टूडेंट्स के बैंक खाते उनके परिवारजनों के नाम से संचालित बताकर और गलत दर्ज कर दिए जाते हैं। इससे सिंगल क्लिक के माध्यम से विद्यार्थी के खाते में रकम नहीं पहुंच पाती है। इसलिए पूरी सावधानी से पात्र विद्यार्थी के बैंक खाते की एंट्री कराने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से किसी जिम्मेदार अधिकारी को नियुक्त किया जाए। यह भी कहा है कि विद्यार्थियों के नाम से संचालित बैंक खाता क्रमांक, आईएफएससी कोड, बैंक शाखा का नाम एक सप्ताह में शिक्षा पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज कराया जाए। इसके साथ ही सभी संयुक्त संचालक शिक्षा को निर्देश देकर कहा है कि इस काम को समन्वय से जल्द पूरा कराएं।

### द्वितीय परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ी...

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल ने सत्र 2024-25 की हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा के लिये पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी मुख्य परीक्षा 2025 में उत्तीर्ण छात्र अंक सुधार के लिए अथवा अनुत्तीर्ण छात्र उत्तीर्ण विषयों के अंक सुधार के लिए अब 25 मई 2025 रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी मुख्य परीक्षा में केवल अनुत्तीर्ण विषयों की द्वितीय परीक्षा के लिए 31 मई 2025 की रात्रि 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे।

विचार-मंथन

# नक्सलवाद पर निर्णायक हमला...

देश में नक्सली हिंसा लंबे समय से एक जटिल समस्या रही है। इससे निपटने के लिए सरकार ने कई स्तर पर मोर्चेबंदी की है और यह अब भी जारी है। मगर सच यह है कि अब भी इस समस्या और इसकी जड़ों से पार पाना एक चुनौती है। हालांकि नक्सली हिंसा का सामना करने के क्रम में पिछले कुछ समय से सुरक्षा बलों को जैसी कामयाबी मिल रही है, उससे कहा जा सकता है कि सरकार इसे खत्म करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ काम कर रही है और इसी मुताबिक जमीनी स्तर पर भी कार्रवाई कर रही है।

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर-बीजापुर-दंतेवाड़ा जिले के सीमावर्ती इलाकों में बुधवार को सुरक्षा बलों द्वारा सत्ताईस नक्सलियों को मार गिराने की खबर आई। खुफिया जानकारी के बाद घेरेबंदी कर की गई इस कार्रवाई में शीर्ष माओवादी नेता नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू को भी मार गिराया गया। इसके अलावा, गुरुवार को राज्य के सुकमा जिले में भी नक्सल विरोधी अभियान के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी सीआरपीएफ के एक कोबरा कमांडो की मौत हो गई और मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया।

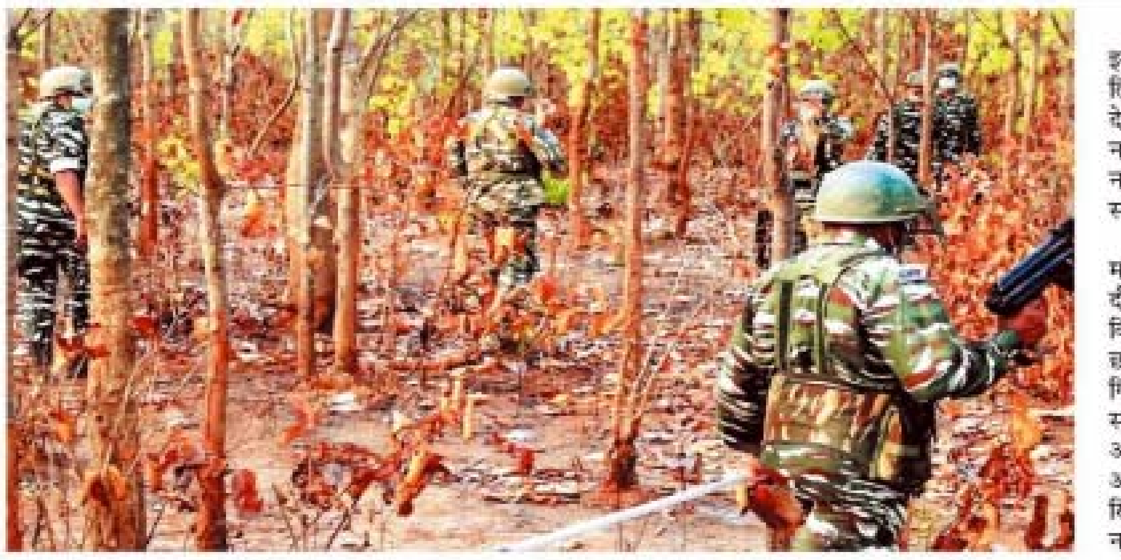

जाहिर है, देश भर में नक्सली हिंसा का सामना करने और इसे खत्म करने के लिए किए जाने वाले सरकारी दावों के लिहाज से ताजा कार्रवाई को एक बड़ी कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है। खासतौर पर इसलिए भी कि पिछले कुछ वर्षों से नक्सल विरोधी अभियान में तेजी के साथ छिटपुट स्तर पर नक्सलियों को या तो मार गिराने या फिर उनका समर्पण कराने में सरकार को लगातार सफलता मिल रही थी।

मगर इस बार के मुठभेड़ को सरकार ज्यादा अहम इसलिए मान रही है कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई के तीन दशकों के दौरान यह पहली बार है जब सुरक्षा बलों ने एक शीर्ष स्तर के किसी नेता को मारा है। ताजा अभियान के तहत हाल के दिनों में छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में चौवन नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और चौरासी ने आत्मसमर्पण कर दिया। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सिर्फ इस वर्ष अब तक एक सौ अस्सी से ज्यादा माओवादी मारे गए और कई सौ ने आत्मसमर्पण भी किया। निश्चित तौर पर नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में इतनी बड़ी संख्या में नक्सलियों के मारे जाने, आत्मसमर्पण और उनकी गिरफ्तारी को प्रत्यक्ष नक्सली हिंसा को समाप्त करने की दिशा में अहम उपलब्धि माना जा सकता है। मगर इस समस्या की जड़ें सामाजिक-आर्थिक कारणों में भी छिपी हैं। इसलिए प्रत्यक्ष कार्रवाई के साथ-साथ उनके समाधान या उन्हें दूर करने के लिए भी एक ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम करने की जरूरत है।

मसलन, नक्सली समूहों तक वित्तीय मदद और हथियार पहुंचने के रास्तों या माध्यमों को खत्म करने, नक्सल प्रभावित इलाकों में आम लोगों के बीच विश्वास पैदा करने, उन्हें बुनियादी और भूमि अधिकार देने, मुख्यधारा में लाने, ऋण माफ करने और गरीबी दूर करने के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक वंचनाओं से मुक्ति दिलाने जैसे अन्य पहलुओं पर भी स्थायी हल तलाशने की मंशा के साथ काम करने की जरूरत है। नक्सलवाद से प्रभावित इलाकों में चलाए गए अभियानों के बाद अब ऐसी संभावना भी जताई जाने लगी है कि यह समस्या अपने अंतिम चरण में है, लेकिन अगर कुछ बड़ी कामयाबियों के आधार पर भी इस समस्या की जड़ों पर चोट करने को लेकर शिथिलता बरती गई तो शायद यह इसकी जटिलता की अनदेखी साबित होगी।

# बदलते विश्व में होगी भारत की बड़ी भूमिका बशर्ते...

**ओंकारेश्वर पांडेय**

इस साल की शुरुआत में जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सुनहरे बालों को हिलाते हुए व्हाइट हाउस में दोबारा कदम रखा, तो शायद उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनका तमाशा विश्व मंच पर एक नयी पटकथा लिख देगा। एक ऐसी पटकथा, जिसमें दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका खुद अकेला पड़ता जायेगा, तो वहीं इस राह पर कदम बढ़ाते यूरोप को रूस और चीन से अलग भारत की याद आएगी– उस भारत की जिसने नेहरू के जमाने से ही गुट निरपेक्षता की राह पकड़ी थी। आज यूरोप को लग रहा है कि नेहरू के रास्ते ठीक थे, उसने अमेरिका पर निर्भर रहकर कई दशक गंवा दिये। शायद ट्रंप को अंदाजा भी नहीं होगा कि यूरोप के प्रति उनके जहरीले बयान विश्व राजनीति की दशा और दिशा ही बदल देंगे। 20 जनवरी 2025 को, वाशिंगटन डीसी में ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ ली। इसके बाद, 15 मार्च 2025 को पेन्सिलवेनिया की एक रैली में उन्होंने नाटो को बेकार का बोझ ठहराया और यूरोप को अमेरिकी खजाने पर पलने वाला मेहमान बताया। 10 अप्रैल 2025 को टेक्सास में रूढ़िवादी दानदाताओं के सामने उन्होंने ईयू के ग्रीन डील को आर्थिक हत्या करार दिया, यह कहते हुए कि अमेरिकी मजदूर यूरोप के जलवायु सपनों का बोझ क्यों उठाए? ट्रंप के ये तीखे बयान कोई तात्कालिक तुनकमिजाजी नहीं थे। राष्ट्रपति के रूप में उनका पहला कार्यकाल (2017-2021) भी इसी तरह के तानों से भरा था, जब उन्होंने नाटो को पुराना ढांचा कहा, जर्मनी को रूस का गुलाम बताया, और ईयू

को अमेरिका का लाभ उठाने वाला करार दिया। उस वक्त तो यूरोप आश्चर्य और सदमे में पड़ गया था, मगर अब, 2025 में, इससे मर्माहत और तिलमिलाये यूरोप की आँखों में रोष है, मुट्ठियाँ बँधी हैं, और इरादे पक्के। ट्रम्प का तलाकनामा यूरोप के लिए एक नई सुबह का न्योता बन गया है।

ट्रम्प के अपमान भरे बयानों ने यूरोप के गौरव को ललकारा, तो यूरोप की कलम ने विद्रोह की स्याही से जवाब लिखा। 5 मई 2025 को, फ्रांस के अखबार ले मॉन्ड ने अपने संपादकीय में लिखा, ट्रम्प ने साफ कर दिया कि यूरोप उनके लिए एक पुराना कोट है, जिसे वे कबाड़खाने में फेंकने को तैयार हैं। 20 अप्रैल 2025 को, जर्मनी के डेर स्पीगल ने तंज कसा, ट्रम्प हमें इसलिए नीचा दिखाते हैं, क्योंकि वे शक्ति को केवल बम-बारूद में देखते हैं। मगर यूरोप की ताकत उसकी कूटनीति, उसकी स्थिरता, उसका धैर्य है। 15 अप्रैल 2025 को, ब्रुसेल्स में यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन्स (ईसीएफआर) ने अपने पेपर नो लॉन्गर पार्टनर्स: ए पोस्ट-अटलांटिक यूरोप में ऐलान किया कि ट्रान्सअटलांटिक गठबंधन अब इतिहास की बात है। स्वायत्तता अब सपना नहीं, बल्कि जरूरत है। तथ्य यह है कि यूरोप और अमेरिका कभी विश्व मंच के दो जिगरी दोस्त थे। 1949 में दोनों ने मिलकर नाटो की नींव रखी, मार्शल प्लान (1948-1952) के जरिए यूरोप का पुनर्निर्माण किया। 11 सितंबर 2001 को, 9/11 हमलों के बाद नाटो ने पहली बार आर्टिकल 5 लागू किया, और यूरोप के सैनिक अफगानिस्तान में अमेरिका के साथ लड़े। 2008 के आर्थिक संकट में, यूरोपीय बैंकों ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के साथ मिलकर वैश्विक बाजारों को संभाला। मगर ट्रम्प के लिए ये सब पुरानी कहानियाँ हैं, जिन्हें वे लेन-देन के बहीखाते में बदलना चाहते हैं। ट्रम्प माने डील।

ट्रम्प के पहले कार्यकाल में तो उनके तेवर यूरोप ने सह लिए। पर दूसरी बार भी वाशिंगटन का वही रवैया रहा, तो आहत ब्रुसेल्स और लंदन ने एक नया गीत लिख डाला, जिसे 19 मई 2025 को गाया गया। हालांकि इसका अभ्यास जनवरी 2025 से ही गोपनीय रूप से चल रहा था। यह ब्रेक्सिट की कड़वाहट को भुलाने का प्रयास भर नहीं है, बल्कि एक नया रिश्ता है–जिसमें दो पुराने दोस्त नाराजगी भुलाकर बराबरी के साथ गले मिल रहे हैं।

याद रहे कि ब्रिटेन में कीर स्टार्मर की लेबर सरकार ने जुलाई 2024 में सत्ता संभालते ही यूरोप की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया था। 18 जुलाई 2024 को, ब्लेनहेम पैलेस में स्टार्मर ने यूरोपीय पॉलिटिकल कम्युनिटी समिट की मेजबानी की। 10 सितंबर 2024 को, विदेश सचिव डेविड लैमी ने ईयू फॉरेन अफेयर्स काउंसिल में भाग लिया। 15 अक्टूबर 2024 को, लंदन और बर्लिन ने ट्रिनिटी हाउस समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो एक ऐतिहासिक रक्षा सहयोग था। 1 नवंबर 2024 को, पोलैंड के साथ विशेष साझेदारी की योजना शुरू हुई। ट्रम्प के टेढ़े तेवरों से तिलमिलाये यूरोप ने आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा दिये हैं। ट्रम्प ने जो कुछ कहा, उसने नाटो को हिलाकर रख दिया, जैसे कोई पुराना मकान हवा के झोंके से काँप उठे। 15 मार्च 2025 को, पेन्सिलवेनिया में ट्रम्प ने नाटो से निकलने की धमकी दी और 5% जीडीपी रक्षा खर्च की माँग की। नाटो के 32 सदस्यों में से 23 अभी तक 2% जीडीपी लक्ष्य को ही पूरा करते हैं, 5% का लक्ष्य तो दूर की कौड़ी है। तो नाटो का क्या होगा। हालांकि अक्टूबर 2024 में नियुक्त हुए नए महासचिव मार्क रुटे, यूरोपीय खर्च बढ़ाने की वकालत कर रहे हैं, ताकि अमेरिका का साथ बना रहे, लेकिन इस गठबंधन की एकजुटता का असली फैसला तो 10 जून 2025 को द हेग में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में ही होगा। अमेरिकी झटके के बाद ईयू का स्वाभिमान जोर मार रहा है। यूरोप किसी के भरोसे नहीं बैठना चाहता। जनवरी 2024 में ईयू ने यूरोपीय रक्षा संघ की योजना को गति दी, जिसमें €7.5 बिलियन का रक्षा कोष और संयुक्त कमांड सेंटर शामिल है। 15 मार्च 2025 को, यूरोपीय रक्षा औद्योगिक रणनीति की घोषणा हुई, एक रक्षा आयुक्त नियुक्त हुआ। यूरोप का रक्षा उद्योग अभी बिखरा हुआ है, और अमेरिकी हथियारों पर निर्भरता एक चुनौती है। मगर, जैसा ईसीएफआर कहता है, द्विपक्षीय समझौतों का जाल यूरोप की सामूहिक शक्ति को बढ़ा सकता है। ये सभी कोशिशें यूरोप की नई उड़ान का परिचय दे रही हैं। ट्रम्प ने यूरोप को न केवल जगा दिया, बल्कि उसे अपने पंखों पर उड़ने की हिम्मत भी दे दी है। ईयू अब एक स्वतंत्र खिलाड़ी बन गया है।

यूरोपीय ब्रूगल थिंक टैंक ने अपने एक विश्लेषण में ठीक कहा कि, ट्रम्प का पीछे हटना जोखिम के साथ अवसर लाता है। तो जब ट्रम्प ने तलाक का नोटिस थमाया, तो यूरोप ने नए दोस्त की तलाश में भारत की ओर देखा। 10 फरवरी 2025 को, नई दिल्ली में ईयू-भारत शिखर सम्मेलन हुआ, जिसमें ईयू अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन शामिल हुईं। इसमें 2021 के भारत-ईयू रणनीतिक रोडमैप को विस्तार देने का फैसला किया गया। व्यापार वार्ताएँ दिसंबर 2025 तक मुक्त व्यापार समझौते की ओर बढ़ रही हैं। भारत और ईयू के बीच व्यापार 2024 में €120 बिलियन तक पहुँचा, और 2025 में यह और बढ़ने की उम्मीद है। भारत की जीडीपी वृद्धि 2024 में ठीक रही, और उसका रक्षा निर्यात 2025 में 5 बिलियन तक पहुँचने की राह पर है।

# क्या फिर लौटेंगे सुकून भरे गर्मी के दिन?

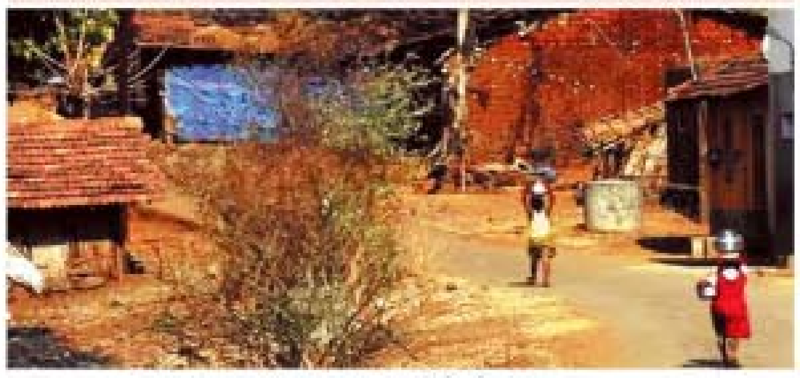

**भगवती प्रसाद गेहलोत**

मोबाइल ने लोगों का लेखन तो छीना ही, उनकी श्रवण कौशल दक्षता भी छीन ली और परस्पर विश्वास व आज्ञाकारिता को भी। अब कोई बुजुर्ग गांव में घर-आंगन के सामने चटक चांदनी में खटिया डाल बैठे हुए नहीं मिलते।

अब देर रात किशोर और युवा तक स्वयं सजे-सजाए या अपने माता-पिता के साथ किसी भेलपुरी-पानीपुरी, चाट की थैला गाड़ी, बर्गर-पिज्जा, पाव-बड़ा, पास्ता- मैगी की दुकानों पर चटकारे लेते मिल जाएंगे। अवकाश के क्षणों में बड़े-बूढ़ों और हमउम्र के साथ समूह में बैठकर हंसी- मजाक कर आनंद लेने के दिन अब लद गए। सायंकाल के बाद घर-आंगन, गली-मोहल्लों की चौपालें सूनी हो गईं, जहां बैठकर आपस में किस्से सुनाते, मनोरंजन करते एक दूसरे के दुखड़े के समाधान बताते, सामाजिक कार्यों की रूपरेखा की योजना बनाती महिलाएं होतीं तो गीत, भजन, पारसियां गातीं। पारिवारिक मेलजोल और सामाजिक मेल-मिलाप के दिन सूने होते जा रहे हैं।

बच्चे हों, किशोर हों या युवा- सब आपसी सामाजिकता से दूर होकर दिखावटी-बनावटी दुनिया में संलिप्त होते जा रहे हैं और कुछ युवा पीढ़ी तो विभिन्न कट्टरतावादी क्रियाकलापों में बढ़ती, उलझती जा रही है। आज ये, कल वह, परसों वह, नरसों वह। कार्यक्रमों में इस तरह लपककर शामिल होते हैं, मानो इससे उसे कोई खजाना मिल जाएगा। इसके अलावा, उसे कहीं दूसरी ओर देखने की फुर्सत नहीं। चांदनी रात में न उनको सामाजिकता में घुलने की रुचि रही, न बड़े-बूढ़ों के पास बैठ कर उनसे बतियाने का समय। गर्मी की छुट्टियों में अपने नाना-मामा, दादा-चाची के यहां आमों के बगीचे या नदी किनारे आमों से लदे पेड़ों से हवा के हल्के झोंकों से गिर जाने वाले इक्के-दुक्के पीले-पीले पके आम वे देख नहीं पाते। जो आम एकदम पका वृक्ष से गिरता, तो उसे मालवी में 'हाग' कहते। वह खाने में खूब मीठा लगता। एकदम रस भरा। अब तो आमों के 'डाल पक' का इंतजार ही नहीं किया जाता। 'डाल पक' आम के स्वाद की बराबरी कृत्रिम रूप से पकाए आम नहीं कर सकते। ठेकेदार कच्चे ही तोड़कर रसायन से पकाकर बाजारों में भेजने लग गए।

अरावली, विंध्याचल, मालवा के पठार जैसे गिरि-शृंखलाओं में बसे गांवों-कस्बों में पर्वत राज के वन प्रांतर से गर्मी में बिकने आए ग्रीष्म फल टीमरू, जिसका वानस्पतिक नाम 'जैन्थोजायलम एलेटम' है, जिसको पहाड़ी नीम, तिरमिरा जैसे नामों से भी पुकारा जाता है और जिसकी लकड़ी धार्मिक महत्त्व के काम भी ली जाती है, उसमें विटामिन सी, विटामिन ए, फोलिक एसिड और अन्य पोषक तत्त्व पाए जाते हैं, अब देखने को नहीं मिलते। किसी कस्बे की ठेलागाड़ी पर दिख भी जाएं तो उन्हें खरीदने वाले नहीं मिलते। इसके साथ एक ऐसा भी पीला फल है, जिसे मालवी में राण (रायन) और हिंदी में खिरनी, रेयान संस्कृत में क्षिरीणी आदि नामों से पुकारा जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम 'मणिलकारा हेक्सेंड्रा' है, अब दिखाई नहीं देता। जामुन और करोंदा तो फिर भी दिखाई दे देता है। बालम ककड़ी कम दिखाई देती है तो खीरा ज्यादा। कांचरीफल मालवी में, जिसे डोचरा कहते हैं, लुप्त-सा हो गया। उसका स्थान खरबूजे ने ले लिया।

ग्रीष्म में अब तो लोग तरबूज, खरबूजा, आम, लीची, पपीता, अंगूर जैसों को अपने घर लाने लगे हैं। ठंडी तासीर वाले धनिया-पुदीना को भी पूछ लेते हैं। अपनी हैसियत के मान से कोई गुलाब, लेमन ग्रास का उपयोग कर रहा है, तो कोई खसखस की मेवा मिश्रित ठंडाई तो कोई गन्ने का रस या नीबू की शिकंजी में ही सब्र कर रहा। जैसी सामर्थ्य वैसा ठंडा पेय। गर्मी में रास्तों से गुजरते राहगीरों को ठियों पर टाट या सूती लट्ठे से लिपटे मिट्टी के बने पानी के मटके दिखाई नहीं देते। इनका स्थान ठंडे पानी की केन, वाटर कूलर ने ले लिया। कहीं-कहीं मिट्टी की काली नांदें जरूर दिखाई पड़ जाती हैं। गर्मी के दिन जीतने हैं, प्राकृतिक नहीं तो कृत्रिमता से ही सही, भले ही वे हमारे शरीर-मन को खराब कर दें।

क्या फिर लौटेंगे वे सुकून भरे गर्मी के दिन? चांदनी रात की वह लुका-छीपी (छुपा-छोरी) मन का रंजन कर देने वाली चौपालों की वह बतरस। भले ही गांव-गांव न रहे। वे खपरैल न रहे हों, पर वहां जाएं तो अपनों का साथ सुकून देता है। जैसे-जैसे सीमेंट के जंगल उगते गए, हृदयों से सहृदयता भी सिमटने लगी। अपना हित सर्वोपरि। किसी की कोई परवाह नहीं।

# हाशिये की आवाज को मिला अंतरराष्ट्रीय मंच, 'हार्ट लैंप' के जरिये बानू मुश्ताक ने रच दिया इतिहास

बानू मुश्ताक के कन्नड़ भाषा में लिखे गए कहानी संग्रह 'हृदय दीप' के अनूदित संस्करण 'हार्ट लैंप' को अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार मिलने से एक बार फिर यह सिद्ध हुआ है कि भारतीय साहित्य का फलक बड़ा है। इस पुरस्कार ने लेखिका की जिंदगी और उनके साहित्य को दुनिया के सामने रखा है। दरअसल, बानू मुश्ताक ने पितृसत्तात्मक समाज में संघर्ष कर रही लाखों महिलाओं की पीड़ा को अपनी कहानियों में उकेरा है। अपनी कहानियों में दर्ज उन्हीं महिलाओं को पुरस्कार समर्पित करते हुए उन्होंने कहा भी है कि यह केवल उनकी जीत नहीं, बल्कि उन अनसुनी आवाजों का समवेत स्वर है, जिसे प्रायः दबा दिया जाता है। वकील और सामाजिक कार्यकर्ता बानू रूढ़िवाद के खिलाफ हमेशा मुखर रही हैं। यह उनके लेखन में स्पष्ट दिखता है। वे सामाजिक मुद्दे प्रमुखता से उठाती रही हैं। उनकी कहानियों में परंपरा और लोकभाषा जीवंत हो उठती है। उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों से साहित्य रचा है। इसलिए उनमें कल्पना के साथ तीखी सच्चाई है। उनका मानना है कि आज की बंटी हुई दुनिया में साहित्य एक ऐसी पवित्र जगह है, जहां हम कुछ देर के लिए ही सही, लेकिन एक दूसरे की भावना और जीवन को महसूस कर सकते हैं। लेखिका की यह भावना दुनिया से गुम हो रही संवेदना को बचाने की कोशिश है। जाहिर है, अब 'हार्ट लैंप' को बुकर पुरस्कार मिलना वैश्विक फलक पर भारतीय भाषाओं को अपनी पहचान स्थापित करने के रास्ते को और आसान बनाएगा। क्षेत्रीय भाषाओं में रचे जा रहे साहित्य को नए पाठक भी मिलेंगे। लंदन में संग्रह की अनुवादक दीपा भास्ती के साथ पुरस्कार ग्रहण करते समय बानू का यह कहना हर किसी को सुखद लगा कि कोई कहानी स्थानीय नहीं होती। उनके गांव के बरगद के पेड़ के नीचे बुनी कहानियां आज इस मंच तक को छाया दे रही हैं। निश्चित रूप से यह कन्नड़ भाषा के लिए गौरव का क्षण है। यह पहली बार है जब इस भाषा में लिखी गई लघु कहानियों के अनूदित संग्रह को अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिला है। वहीं भारतीय साहित्य में दूसरी बार किसी लेखिका को बुकर पुरस्कार मिला है। यह सम्मान बानू मुश्ताक को कड़ी मेहनत को ही नहीं, बल्कि हाशिये के समुदायों और संकीर्ण विचारों से लड़ रहीं स्त्रियों को भी मिला है।

## फील्ड मार्शल बनने पर इमरान खान ने जनरल मुनीर पर किया कटाक्ष, कहा–खुद को राजा घोषित क्यों नहीं किया

## आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक-3-6-8

वृषभ : [illegible] शुभांक-2-6-8

मिथुन : [illegible] शुभांक-3-5-7

कर्क : [illegible] शुभांक-2-4-8

सिंह : [illegible] शुभांक-1-3-5

कन्या : [illegible] शुभांक-4-6-8

तुला : [illegible] शुभांक-3-7-9

वृश्चिक : [illegible] शुभांक-2-6-9

धनु : [illegible] शुभांक-6-3-9

मकर : [illegible] शुभांक-4-7-9

कुंभ : [illegible] शुभांक-3-6-9

मीन : [illegible] शुभांक-2-4-7

## सुडोकू पहेली क्रमांक- 5605

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 8 | | | 6 | 4 | | |
| | | 6 | | 9 | | 8 | | 7 |
| 5 | | | | | | | | |
| 2 | 6 | 9 | 5 | | | | 8 | |
| | | | 4 | | 9 | | | |
| | 8 | | | | 2 | 7 | 9 | 1 |
| | | | | | | | | 5 |
| 6 | | 4 | | 7 | | 2 | | |
| | | 1 | 2 | | | 9 | | 3 |

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

## सुडोकू पहेली क्र. 5604

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 3 | 6 | 9 | 5 | 7 | 1 | 2 | 4 |
| 2 | 7 | 1 | 3 | 8 | 4 | 9 | 6 | 5 |
| 5 | 9 | 4 | 1 | 2 | 6 | 8 | 7 | 3 |
| 3 | 2 | 7 | 4 | 6 | 1 | 5 | 9 | 8 |
| 9 | 1 | 8 | 5 | 7 | 3 | 6 | 4 | 2 |
| 6 | 4 | 5 | 2 | 9 | 8 | 7 | 3 | 1 |
| 7 | 6 | 2 | 8 | 4 | 5 | 3 | 1 | 9 |
| 1 | 8 | 9 | 7 | 3 | 2 | 4 | 5 | 6 |
| 4 | 5 | 3 | 6 | 1 | 9 | 2 | 8 | 7 |

## वर्ग पहेली 5605

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1919 को इस देश ने खुद को ब्रिटेन से आजाद घोषित किया (6)
7. [illegible] (3)
8. कर देने वाला, कर दायक (4)
9. सर्वसाधारण, जनता (2)
10. प्रकार, जेवर, गहना (3)
11. [illegible] (2)
12. प्रसिद्ध संगीतकार [illegible] इस नाम से भी जाने जाते थे, [illegible] (3)
14. पश्चिमी अफ्रीका के [illegible] देश की राजधानी (3)
16. संगी, मित्र, सखा, दोस्त (2)
17. [illegible] (3)
18. [illegible] (2)
19. [illegible], जो जल्दी न मिल सके, दुर्लभ, मुश्किल (3)
20. [illegible] (3)
21. [illegible] (2)

ऊपर से नीचे

1. यह नाम [illegible] के साथ जुड़ा है (7)
2. [illegible] (3)
3. गीत प्रस्तुत करना, स्तुति करना (2)
4. स्तुति करने वाला, स्तुति वाचक (3)
5. [illegible] (5)
6. आय-व्यय एवं लेन-देन आदि का लेखा, [illegible] (2)
10. [illegible] (2)
11. गीत, नग्मा (3)
13. बड़े होने का भाव, गुरुता, [illegible] (3)
15. [illegible] (2)
16. वाराणसी के समीप (करीब 6 किमी उत्तर-पूर्व में स्थित बौद्धों का एक तीर्थस्थल, [illegible])(4)
18. जाकिर हुसैन नाम इस वाद्य के साथ जुड़ा है (3)

### वर्ग पहेली 5604 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ह | म | ति | | पा | र | सा | |
| स | म | त्ता | पा | टी | | ना | दा |
| | | पढ | ल | | अ | न | द |
| न | | रि | | स | ह | अ | नी |
| फ | रि | श्ता | द | | र | स | |
| र | त | | रि | द | | ब | स |
| त | मा | व | दा | र | | | म |
| | | ह | | मा | ल | दी | व |

# शिवना शुद्धिकरण अभियान: 24वें दिन 10 ट्रॉली जलकुंभी व गंदगी हटाई

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** विधायक श्री विपिन जैन के नेतृत्व में चल रहा शिवना नदी शुद्धिकरण अभियान निरंतर 24वें दिन भी जारी रहा। इस अभियान में विभिन्न समाज, सामाजिक संगठन, ग्रामीण जन, युवा, मातृशक्ति सहित नगरवासियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। 24वें दिन श्रमदान के माध्यम से 10 ट्रॉली जलकुंभी व गंदगी शिवना नदी से निकाली गई।

विधायक श्री जैन ने बताया कि यह अभियान जनसहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस अभियान के माध्यम से न केवल नदी की सफाई हो रही है, बल्कि समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ रही है। मीडिया प्रभारी श्री राजनारायण लाड ने जानकारी दी कि अभियान की सफलता में नगरवासियों की सहभागिता महत्वपूर्ण रही है। यह अभियान जन-जन का अभियान है। 24 मई, शनिवार को शिवना शुद्धिकरण अभियान में विधायक श्री विपिन जैन, गांव मुंडलाफौजी सीतामऊ से शिशुपाल व्हील, भागीरथ श्रीमाल, गांव पानपुर से मांगीलाल, कमल नकुम, गांव धारियाखेडी से ओमप्रकाश पाटीदार, चंदरसिंह सिसौदिया, मदनसिंह सिसौदिया, कचरूसिंह सिसौदिया, गांव रलायता से राजेश जाट, हंसराज सौलंकी, कन्हैयालाल सौलंकी, तुलसीराम सुतवाले, गोपाल चौधरी, समाजसेवी मनीष भावसार, एम्ब्रोज अल्टर, राकेश जैन पिंटू, धीरज शुक्ला, अमृत सौलंकी, महेश मालवीय, नितेश बसेर, सुरेश चौहान, अभिषेक तिवारी, रमेश सोनी, घनश्याम भावसार, उमेश सिंह बेस, धीरज शुक्ला, सुधांशु भावसार, नितिन सोनी, दीपक माली, विजय आनंद, हेमराज खाबिया, नरेन्द्र पंवार, कांग्रेसजन मे डॉक्टर राघवेन्द्रसिंह तोमर, विकास दशोरा, किशोर गोयल, तरूण खिंची, आसीफ छीपा, राजनारायण लाड, राजेश फरक्या, विश्वास दुबे, साबिर इलेक्ट्रीशियन, रमेश सिंगार, मनोहर नाहटा, आमिन खान, अशोक राव, सादिक गौरी, भंवरलाल प्रजापत, गणपत कुमावत, ओमप्रकाश सूर्यवंशी माण्डवी, गोपाल बंजारा, राकेश सेन, शिवशंकर सौलंकी, मिथुन कटारिया, डॉ. सोहनलाल धाकड, राजेश चौधरी, महिला नेत्रियों में रफत पयामी, सोनाली जैन, अनिता भदोरिया, वर्षा दोसरिया, दीपाली पोरवाल, शैली पोरवाल, गीताली पोरवाल, प्रमिला पंवार, दीपा दादवानी, मीना चौहान, रत्नप्रभा राणावत, शोभा राणावत सहित बडी संख्या मे श्रमदानी श्रमदान करने पहुंचे।

# देवी अहिल्याबाई की जयंती पर व्याख्यान सम्पन्न

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा.सुधीर रायजादा ने बताया कि महाविद्यालय में नारी शक्ति की प्रतीक, राष्ट्र, धर्म और संस्कृति की पुनर्स्थापना की अग्रदूत देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर व्याख्यान माला आयोजित की गयी। विषय विशेषज्ञ डा.संजय जोशी प्राध्यापक समाजशास्त्र, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नीमच ने बताया कि अहिल्याबाई होळकर का जन्म मराठा हिन्दू परिवार में चौंडी नामक गाँव में हुआ था दस.बारह वर्ष की आयु में उनका विवाह हुआ। उनतीस वर्ष की अवस्था में विधवा हो गईं। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद वे दृढ निश्चयी रही। महिलाओं को शिक्षा का अधिकार दिलाया और महिला सशक्तिकरण के लिए जीवन पर्यंत प्रयत्न किया उन्होंने महिलाओं को आगे बढाने के लिए विशेष योगदान दिये अहिल्याबाई होळकर ने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर भारत-भर के प्रसिद्ध तीर्थों और स्थानों में मन्दिर बनवाए, घाट बँधवाए, कुओं और बावडियों का निर्माण किया, मार्ग बनवाए.सुधरवाए, भूखों के लिए अन्नसत्र (अन्यक्षेत्र) खोले, प्यासों के लिए प्याऊ बिठलाई, स्वतन्त्र भारत में अहिल्याबाई होल्कर का नाम बहुत ही सम्मान के साथ लिया जाता है।अहिल्याबाई होळकर एक ऐसी महारानी के रूप में जाना जाता है, जिन्होंसनें भारत के अलग अलग राज्यों में मानवता की भलाई के लिये अनेक कार्य किये थे। इसलिये भारत सरकार तथा विभिन्न राज्यों की सरकारों ने उनकी प्रतिमाएँ बनवायी हैं और उनके नाम से कई कल्याणकारी योजनाओं भी चलाया जा रहा है।

वरिष्ठप्राध्यापक डॉ पी एल पाटीदार विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि नारी शक्ति की प्रतीक, राष्ट्र, धर्म और संस्कृति की पुनर्स्थापना की अग्रदूत देवी अहिल्याबाई होल्कर ने विदेशी आक्रांताओं के कालखंड में जिस साहस, भक्ति और समर्पण से काशी से लेकर रामेश्वरम तक देश के अनेक तीर्थस्थलों का पुनरोद्धार कराया वह भारतीय इतिहास का अद्वितीय अध्याय है। अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को चोंडी, अहमदनगर (महाराष्ट्र) में हुआ था। मात्र आठ वर्ष की उम्र में वे राजवधु बनकर इंदौर आ गई। उनका पूरा जीवन विषमता से भरा रहा। देवी अहिल्या बाई होल्कर का जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र के लिए समर्पित रहा। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व भारत की अमोल निधि है। उन्हें समाज ने पुण्यश्लोका, लोकमाता, मातोश्री, न्यायप्रिया, प्रजावत्सला, राजमाता आदि से संबोधित किया। उनकी कार्य शैली, व्यवहार, कर्म.कर्तव्य का पालन, विपरीत और विषम परिस्थिति में भी स्थिर रहना, उचित समय पर उचित निर्णय, दूरदृष्टि, संकल्प की दृढता, प्रशासनिक कौशल अद्भुत था। आज के समय में हम सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज और देश के उत्थान के लिए कार्य करने की आवश्यकता है। हमें महारानी अहिल्याबाई के जीवन से प्रेरणा लेकर भारत के प्राचीन गौरव और सनातन संस्कृति के उत्कर्ष में संपूर्ण मनोयोग से समर्पित होना चाहिए। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की स्मृति को नमन करना केवल एक ऐतिहासिक दायित्व नहीं है, बल्कि सनातन धर्म, भारतीयता और राष्ट्र के पुनर्निर्माण की उस चेतना को पुनः जागृत करने का अवसर है, जिससे भारत विश्वगुरु बने। कार्यक्रम का निर्देशन, सञ्चालन डॉ राजश्री ठाकुर एनएसएस प्रभारी ने किया एवं आभार श्री मनीष पांचाल क्रीडा अधिकारी ने माना। कार्यकर्म में महाविद्यालय का स्टाफ एवं 75 छात्राओं ने सहभागिता की।

## नीमच में महिलाओं के लिए नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण 27 से

**नीमच, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वार नीमच मे महिलाओं के लिए नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण 27 मई से प्रारंभ किया जा रहा है इसके लिए पंजीयन प्रारंभ हो गये है। प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण का लाभकेवल नीमच जिले के ग्रामीण अंचल की युवक / युवतियां जिनकी आयु 18 से 45 वर्ष के बीच हो को मिलेगा। इस 31 दिवसीय प्रशिक्षण में आवास, भोजन व नाश्ते की व्यवस्था नि:शुल्क रहेगी। प्रशिक्षण के दौरान इच्छुक प्रशिक्षणार्थीयों के लोन के फार्म भी प्रशिक्षण केंद्र पर ही भरे जाएंगे। बैंकिंग संबंधी सभी जानकारीयां एवं समस्याओं का समाधान भी इस प्रशिक्षण के दौरान किया जायेगा। प्रशिक्षणार्थी 4 पासपोर्ट साईज फोटो, एवं 3 सेट में आधार कार्ड, बैंक पासबुक, राशन कार्ड, अंकसूची की छायाप्रति के साथ आवेदन भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान हवाई पट्टी के सामने, विश्राम भवन के पास, चीताखेडा मेन रोड नीमच में जमा करा सकते है।

# गायत्री परिवार शाखा मंदसौर द्वारा आयोजित कन्या कौशल शिविर संपन्न

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा 2024 से लेकर 2026 तक वंदनीय माताजी की पुण्यतिथि एवं परम पूज्य गुरुदेव द्वारा प्रज्वलित किए गए अखंड दीपक के 100 वर्ष होने जा रहे हैं। इसी कड़ी में गायत्री परिवार द्वारा अब तक 40 कन्या कौशल शिविर का आयोजन किया गया इसमें हमारे समाज की बच्चियों को हवन, यज्ञ, आत्मरक्षा, स्वाध्याय, भारतीय संस्कृति के बारे में पूरी जानकारी दी जा रही है। दिनांक 18 मई से लेकर 24 मई तक 7 दिवसीय शिविर में 70 कन्याओं को प्रशिक्षित करते हुए उक्त कार्यक्रम का समापन गायत्री शक्ति पीठ पर संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में कथावाचक दशरथ भाई जी द्वारा जीवन जीने के पांच प्रमुख सूत्र बताएं कि चेहरे पर मुस्कान रखें, हमेशा स्वास्थ के प्रति सजग रहे, मोबाइल से दूर रहें, ज्यादा से ज्यादा अध्ययन चिंतन करे, अपनी संस्कृति को पहचाने, भारतीय संस्कृति के बारे में जिज्ञासा बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि गायत्री महामंत्र बुद्धि को तेज करने वाला मंत्र है इस मंत्र की व्याख्या किसी धर्म किसी जाति से ना तो बांधी गई है नहीं इसका धर्म कट्टरता से संबंध है यह तो पूर्ण रूप से सूर्य मंत्र कहलाता है। इसको जपने वाला और इसकी साधना करने वाला निरंतर आगे बढ़ता है। इस कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि पूरी दुनिया को शांति की आवश्यकता है आज पूरी दुनिया के अंदर जो अशांति फैली है उसे अशांति को समाप्त करने का एक ही माध्यम अपनी आवश्यकताओं को कम करें। परिस्थितियों से तालमेल बिठाने का समय चल रहा है। ओम शांति का मानसिक जाप करते रहें यह एक अचूक औषधि है। गायत्री परिवार 24 मगरा गौशाला संजीत के प्रभारी बाबूलाल पाटीदार ने परम पूज्य गुरुदेव वेद मूर्ति पंडित राम शर्मा आचार्य जी के चरणों में अपना जीवन समर्पित करते हुए कहा कि हमें गर्व है कि हम भारतीय संस्कृति के मूल्यों को पहचान रहे हैं। इसका श्रेय गायत्री परिवार के संस्थापक श्रीराम शर्मा आचार्य जी को जाता है वह हमारे गायत्री परिवार के साधकों के लिए भगवान का रूप है। उन्होंने पहले ही भविष्यवाणी कर दी थी आने वाली सदी नारी सदी होगी। भारत विश्व गुरु बनेगा और विश्व का नेतृत्व करेगा और यह सब होने के साथ ही मनुष्य जाति के पास पैसा नहीं होगा साधन बहुत होंगे ऐसी भविष्यवाणियां परमपूज्य द्वारा की गई। गायत्री परिवार पूरे देश के अंदर 8000 से भी अधिक गायत्री शक्तिपीठ प्रज्ञापीठों के साथ संस्कृति को स्थापित करने के लिए कार्य कर रहा है। इस कार्यक्रम में भारत विकास परिषद की ओर से भी पूरा-पूरा सहयोग किया गया भारत विकास परिषद ने कहा कि गायत्री परिवार के हम ऋणी है कि वह हमें ऐसे अच्छे कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाता है और सहयोग लिया जाता है हम विश्वास दिलाते हैं कि आने वाले समय में इस कार्यक्रम को और आगे बढ़ाएंगे। कार्यक्रम के सूत्रधार युवा प्रकोष्ठ प्रभारी पवन गुप्ता द्वारा कहा गया कि हमने शपथ ली है कि गांव गांव जाकर कन्या कौशल कार्यक्रम को और तेजी से बढ़ाएंगे। कन्याओं को हर क्षेत्र की जानकारी दी जाएगी। यज्ञ हवन के साथ ही आत्म सुरक्षा और जीवन जीने की कला अपनी सुरक्षा के साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा का भी शिक्षा दी जाएगी। प्रत्येक कार्यक्रम में बच्चियों की खान-पान एवं उनकी सुरक्षा के संबंध में निशा धनोतिया इस संकल्प को पूरा निभा रही है।

इस कार्यक्रम के अंदर पूर्व प्रबंध ट्रस्टी नरेश त्रिवेदी एवं दिलीप माहेश्वरी रेखा सिंह द्वारा पूरा-पूरा सहयोग किया गया। कन्या कौशल के पुरस्कार वितरण में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया। समस्त बच्चियों को प्रमाण पत्र के साथ परम पूज्य पंडित श्री राम शर्मा आचार्य गुरुदेव का साहित्य वितरण किया गया। प्रतिदिन प्रार्थना का संकल्प दिलाया गया। गायत्री परिवार के सभी भाइयों ने इस पुनीत कार्य में अपना अंशदान लगाकर सात दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाया इसके लिए भी पवन गुप्ता ने आभार माना। कार्यक्रम का संचालन गायत्री परिवार के कार्यकर्ता सत्येंद्र सिंह द्वारा किया गया उन्होंने कहा कि परम पूज्य गुरुदेव का सपना साकार होकर रहेगा और हम बहुत सौभाग्यशाली हैं कि हमें गुरुदेव ने अपने कार्य के लिए चुना है। यह जानकारी पवन गुप्ता द्वारा दी गई।

## श्री गोवर्धन नाथ जी की हवेली में श्री गिरिराज जी का पाटोत्सव मनाया

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** पुष्टिमार्गीय परंपरा की हवेली जीवागंज स्थित श्री गोवर्धन नाथ मंदिर परिसर में ज्येष्ठमास के कृष्ण पक्ष की द्वादशी यानी 24 मई शनिवार को श्री गिरिराज जी का पाटोत्सव मनाया गया। इसी दिन मंदिरजी में श्री गिरिराज जी के स्वरूप को प्रतिष्ठापित किया गया था।

आज ही के दिन प्रतिवर्ष श्री गिरिराज जी पाटोत्सव मनाते हुए पुष्टिमार्गीय विधि से उनकी पूजा की जाती है। शनिवार को पाटोत्सव की विशेष पूजा के अवसर पर श्री गोवर्धननाथ मंदिर के न्यासी श्री हेमंत भाई शाह, उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायधीश गिरिराज दास सक्सेना, गिरीश पारिख, जीतू पारिख, वरिष्ठसमाजसेवी व पत्रकार ब्रजेश जोशी, तथा बृज पारिख, विनय शर्मा आदि उपस्थित थे।

# नपा अध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने किया प्राचीन बावड़ी पर श्रमदान

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी परिकल्पना आज प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन मे जल गंगा संवर्धन अभियान के रूप मे गांव गांव गली गली साकार हो रही, जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्राचीन बावड़ियों की कायाकल्प करना का कार्य हम सबको मिलकर करना है सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा बावड़ी पर जो कार्य किया जा रहा है व सरहानिय नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रामादेवी गुर्जर ने वार्ड 12 मे नागदेवता बावडी के सफाई के पांचवें दिन पर कही। श्रीमती गुर्जर सभी के साथ श्रमदान किया श्रमदान कार्य के समापन के बाद उपस्थित सभी सदस्यों को नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रामादेवी गुर्जर ने जल बचाओ की शपथ दिलाई गई। मध्य प्रदेश शासन योजना, आर्थिकी, म.प्र. जन अभियान परिषद जिला समन्वयक तृप्ति बैरागी के निर्देश में साप्ताहिक कार्यक्रम जल गंगा संवर्धन अभियान पांचवें दिवस नगर पालिका मंदसौर वार्ड क्रमांक 12 में सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा नाग देवता की बावड़ी प्रात: 7 बजे से श्रमदान किया गया। बावड़ी कि सीढीयों से गाज हटाई गई। बावडी को स्वच्छ एवं साफ करने के लिए कई सामाजिक कार्यकर्ता हिस्सा ले रहे हैं। वार्ड पार्षद सुनीता भावसार, वरिष्ठसामाजिक कार्यकर्ता विनय दुबेला, सुधीर शर्मा, राजारामजी तंवर, अजीजुल्लाह खान, नगर विकास प्रस्फुटन समिति से संतोष सालवी, नवांकुर प्रियदर्शन सामाजिक सेवा संस्था के प्रतिनिधि दिनेश सोलंकी, ग्राम विकास प्रस्थान समिति बाजखेड़ी, मंजू भावसार, परेश्वर युवा समिति नौगांवा रतनलाल चौहान, एवं वार्ड के रहवासी जितेंद्र सिंह ठाकुर, सुरेश भावनानी, कंचन भवानानी, लोकेश निगम, आभा निगम, विनोद गुप्ता, आशा शर्मा, वीसी जोशी, पिंकी जोशी एवं कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### प्रदेश में पारेषण उपलब्धता का नया कीर्तिमान...

# 98 प्रतिशत लक्ष्य के मुकाबले हासिल किया 99.47 प्रतिशत

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** मध्यप्रदेश के विद्युत क्षेत्र में ट्रांसमिशन नेटवर्क (पारेषण प्रणाली) की अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तारीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। इसके फलस्वरूप राज्य में वित्तीय वर्ष 2024-25 में पारेषण उपलब्धता (ट्रांसमिशन अवेलेबिलिटी) को ऐतिहासिक रूप से 99.47 प्रतिशत के उच्चतम स्तर तक पहुँचाने में सफलता प्राप्त हुई है। मध्यप्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा वर्ष 2024-25 के लिये निर्धारित 98 प्रतिशत लक्ष्य के मुकाबले इस वित्तीय वर्ष में पारेषण उपलब्धता (ट्रांसमिशन अवेलेबिलिटी) बढ़कर 99.47 प्रतिशत तक हो गई है। वर्ष 2023-24 में पारेषण उपलब्धता (ट्रांसमिशन अवेलेबिलिटी) 99.42 प्रतिशत के मुकाबले यह उल्लेखनीय सुधार है।

**सफलता राज्य के लिए गर्व करने का विषय**–मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह ने इस उपलब्धि के लिये विद्युत कार्मिकों को बधाई देते हुए कहा कि यह राज्य विद्युत कंपनियों की कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रदेश के विद्युत क्षेत्र की यह सफलता राज्य के लिए गर्व की बात है, उन्होंने उम्मीद जताई कि यह उपलब्धि न केवल मध्यप्रदेश में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता को बेहतर बनाएगी, बल्कि उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में भी सहायक सिद्ध होगी।

**पारेषण उपलब्धता अधिक होने के फायदे**–किसी भी ट्रांसमिशन सिस्टम में ट्रांसमिशन अवेलेबिलिटी (पारेषण उपलब्धता) अधिकतम होने से विद्युत आपूर्ति में बाधाएँ कम होती हैं, जिससे उपभोक्ताओं को निरंतर बिजली मिलती है। इससे औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि होती है और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है। यह प्रणाली की विश्वसनीयता और दक्षता को भी सुनिश्चित करता है। साथ ही, आपात स्थितियों में शीघ्र बिजली आपूर्ति संभव होती है।

**यह सफलता कई कारणों से संभव हुई है**–कंपनी लगातार इस प्रयास में लगी हुई है कि ट्रांसमिशन की उपलब्धता को सर्वोच्च स्तर पर बनाए रखा जाए। ट्रांसमिशन लाइनों के रखरखाव के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग, उपयुक्त रेटिंग वाले पावर ट्रांसफॉर्मरों की तैनाती, और रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम का कार्यान्वयन इस लक्ष्य को हासिल करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं, जिससे विद्युत नियामक आयोग द्वारा निर्धारित ट्रांसमिशन उपलब्धता लक्ष्यों से भी बेहतर प्रदर्शन कर पा रहे हैं।'

## माता-पिता की सेवा करने से परमात्मा स्वर्ग जैसा परम आनंद प्रदान करता है-पं. व्यास

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** ग्राम सुंठी स्थित माता अम्बाजी मंदिर के पास पाटीदार भवन परिसर में झाला पाटीदार पितृ देवता मोक्ष कल्याणार्थ सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। कथा का वाचन ज्योतिषाचार्य पं. डॉ. राजकुमार व्यास के मुखारविंद से प्रतिदिन दोपहर 12 से सायं 4 बजे तक हो रहा है। यह कथा 28 मई को पूर्ण होगी।

कथा के द्वितीय दिवस पर पं. डॉ. राजकुमार व्यास ने प्रवचन देते हुए कहा कि यदि परमात्मा जगन्नाथ जगदीश को भी इस जगत में जन्म लेने के लिए माता-पिता की आवश्यकता होती है, तो इस संसार से मुक्ति पाने के लिए मानव को एक सद्गुरु की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि अपने जन्मदाता माता-पिता की सेवा करते रहिए, परमात्मा आपके घर-आंगन में ही स्वर्ग जैसा परम आनंद प्रदान करेंगे। पं. व्यास ने कहा कि मनुष्य जीवन का उद्देश्य विषय भोग नहीं है, बल्कि भगवान की भक्ति और ज्ञान प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि भागवत कथा सुनने से व्यक्ति का कल्याण होता है और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर पौथी पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें सरपंच बालमुकुंद पाटीदार (जसवंत), पटेल गणेशराम पाटीदार, लक्ष्मीनारायण पाटीदार, सुरेश पाटीदार, पूर्व सरपंच मुकेश पाटीदार, श्यामलाल पाटीदार, प्रवीण पाटीदार, पप्पू पाटीदार एवं भरतलाल पाटीदार ने भाग लिया। कथा श्रवण के लिए ग्राम सुंठी सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

# दूरसंचार के क्षेत्र में संभावित करियर विकल्प पर व्याख्यान सम्पन्न

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** राजीव गॉंधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द कैरियर गाइडेंस के अंतर्गत दिनांक 24.05.2025 को कम्प्यूटर विभाग द्वारा महाविद्यालय के समस्त नियमित विद्यार्थियों के लिए दूरसंचार के क्षेत्र में संभावित करियर विकल्प पर व्याख्यान का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. जे.एस.दुबे के सफल मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें प्रमुख वक्ता के रुप में प्रो. नरेन्द्र बंधवार ने दूरसंचार के क्षेत्र में संभावित उपलब्ध करियर विकल्पों जैसे नेटवर्क इंजीनियरिंग, रिसर्च एवं डेवलपमेंट, सेल्स एवं मार्केटिंग प्रोफेशनल, टेलिकॉम प्रोजेक्ट मेनेजर, डेटा एनालिस्ट एवं सायबर सिक्योरिटी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध संभावनाओं के बारें में विस्तार पूर्वक जानकारी दी और उन्होंने यह भी बताया की किस तरह से यह जानकारी विद्यार्थियों के लिए स्वरोजगार का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी जी द्वारा कम्प्यूटर संकाय के समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों को बधाई दी गई।

## रेल के डिब्बों में कचरा पात्र लगाए जाएं

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** वर्तमान में रेलवे में नवीनीकरण, सौंदर्यीकरण एवं खासकर स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए अतुलनीय कार्य हेतु रेल मंत्री का आभार प्रकट करते हुए प्रेषित पत्र में 'अनुराग' संस्था ने लिखा है कि अनेक यात्री रेल डिब्बे में 'कचरा पात्र' न होने से कचरा व भोजन करने के बाद बचा हुआ भोजन, पॉलीथिन व प्लास्टिक की कटोरी, ग्लास आदि सामग्री डिब्बे में ही या डिब्बे के बाहर फेंक देते हैं। जिसके कारण गंदगी तो होती ही है लेकिन साथ ही पशु भी पटरियों पर आ जाते हैं जिससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। तत्संबंध में विनम्र निवेदन है कि यदि प्रत्येक डिब्बे में 'कचरा पात्र' इस प्रकार से घुमावदार लगाएं जाएं जिसे आवश्यकता पड़ने पर सीट के नीचे से आसानी से घुमाकर बाहर लाकर कचरा डाला जा सके। इससे जगह घिरने की भी समस्या खड़ी नहीं होगी। साथ ही हर जगह यह भी लिख दें कि 'कचरा आपके डिब्बे में सीट के नीचे लगे कचरा पात्र में ही डालें।

## शनि मंदिर में महाप्रसादी का आयोजन 27 को

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** भगवान शनिदेव की जयति पर दिनांक 27 मई मंगलवार को समाजसेवी श्री कोमल बाफना परिवार के द्वारा महाप्रसादी का भव्य आयोजन किया जायेगा। खानपुरा स्थित भगवान शनिदेव केमंदिर पर प्रतिवर्ष समाजसेवी श्री कोमल बाफना के द्वारा महाप्रसादी का आयोजन विगत कई वर्षों से किया जा रहा है। इसी परम्परा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी भगवान श्री शनिदेव की जयंती पर 27 मई 2025 मंगलवार को प्रात: 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक महाप्रसादी का आयोजन शनि मंदिर के समीप खुले मैदान में किया जायेगा। इसके पूर्व प्रात: 6 बजे बाफना परिवार व धर्मालुजनों के द्वारा भगवान शनिदेव की विशेष पूजा अर्चना की जायेगी तथा भगवान शनिदेव की प्रतिमा का तेलाभिषेक किया जायेगा। भगवान शनिदेव की जयंती पर दिनांक 26 व 27 मई को भगवान शनिदेव के मंदिर पर विशेष विद्युत साज सज्जा की जायेगी तथा कई प्रकार के फूलों से मंदिर का श्रृंगार किया जायेगा।

# साहित्यकार ऑपरेशन सिंदूर की प्रमाणिकता का नेरेटिव बनाने में सहयोग करें

**ऑपरेशन सिंदूर हमारे सैनिकों के शौर्य की गाथा है, अभा साहित्य परिषद मालवा प्रांत ने ऑपरेशन सिन्दूर पर ऑनलाइन परिचर्चा आयोजित की**

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** भारत ने 27 महिलाओं के सुहाग का बदला ऑपरेशन सिंदूर करके लिया है.ऑपरेशन सिंदूर युद्ध नहीं था हमने किसी राष्ट्र से युद्ध नहीं किया है बल्कि आतंकवादियों एवं आतंकवादियों के आकाओं को नेस्तनाबूद करने के लिए सैनिक कार्यवाही की है. भारत अब 1971 का भारत नहीं रहा है। भारत अब सामरिक रूप से आयुधों से सुसज्जित है. हमारे आकाश शील्ड और ब्रह्मोस मिसाइल किसी भी लक्ष्य को समाप्त करने में बहुत सटीक और सक्षम है.भारतीय सेना ने यह लड़ाई स्वदेशी हथियारों से लड़ी है. चीन और अमेरिका के हथियार तुर्की के ड्रोन सब को भारतीय सेना ने मार गिराया.भारतीय सेना की तीन दिन की कार्यवाही से ही पाकिस्तान घबरा गया और चौथे दिन ही युद्ध विराम के लिए भारत से गुहार लगाई।

उक्त विचार सेवानिवृत कर्नल मनोज बर्मन द्वारा अखिल भारतीय साहित्य परिषद मालवा प्रांत द्वारा आयोजित ऑनलाइन ऑपरेशन सिंदूर परिचर्चा में व्यक्त किये.आपने आगे कहा कि अखिल भारतीय साहित्य परिषद देश में ऑपरेशन सिंदूर की प्रमाणिकता का नेरेटिव बनाने में सहयोग करें हमारे लिए यही देश की सबसे बड़ी सेवा होगी. आपने आगे कहा कि आज लड़ाई ढाई मोर्चे पर लड़ी जा रही है पहला मोर्चा आतंकियों से दूसरा मोर्चा आतंकियों को पालने वाला पाकिस्तान से है .दोनों मोर्चे पर जवाब भारतीय सेना दे रही है लेकिन लड़ाई का आधा मोर्चा देश के विरोधियों का है जो देश के नेतृत्व का विरोध करने के नाम पर सेना की कार्यवाही के सबूत मांग रहा है। इस अवसर पर विशेष अतिथि हवलदार मेजर उषा कुमावत ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सेना के शौर्य की गाथा है. आपने कहा कि हम सेवानिवृत्त सैनिक एवं अधिकारी चाहे वह अर्द्ध सैनिक बल के हो अथवा फौज के हो हमें जब भी राष्ट्र की सेवा के लिए बुलाया जाएगा हम राष्ट्र की सेवा के लिए तुरंत सीमा पर जाकर लड़ने के लिए सभी तैयार हैं. इस अवसर आपने ऑपरेशन सिंदूर पर ही अपनी स्वरचित कविता को भी सुनाया।

परिचर्चा में सहभागिता करते हुए प्रांत अध्यक्ष त्रिपुरारि लाल शर्मा ने कहा की इस ऑपरेशन सिंदूर से भारत को कुछ दीर्घकालिक लाभ भी हुए हैं.हमें पाकिस्तान पर दबाव बनाने के लिए जलबम के नाम से एक नया हथियार प्राप्त हुआ है. भारत ने आकाश शील्ड जो कि भारत ने बनाई उसका प्रैक्टिकल उपयोग करके हमने पाया कि हमारी आकाश शील्ड बहुत सटीक और उत्कृष्ट आयुध हैं इसके उपयोग से लाखों की जान भारत ने बचाई है. पाकिस्तानी मूल के लोग जो कई दशकों से भारत में रह रहे थे उनको बाहर निकालने की योजना क्रियान्वित होने लग गई.भारत द्वारा अब कश्मीर घाटी में स्लीपर सेल को ढूंढ ढूंढ के समाप्त किया जा रहा है.भारत ने अपनी ब्रह्मोस मिसाइल की श्रेष्ठता को विश्व में सिद्ध कर दिया है और इससे अब हमारे आयुधों का निर्यात प्रारंभ होगा वह हमारी आर्थिक व्यवस्था को और अधिक श्रेष्ठ बनाने में योगदान करेगा. चीन के हवाई जहाज और तुर्की के ड्रोन इन दोनों के भी नष्ट करने वाले आयुध भारत में बना लिए हैं इससे उन दोनों राष्ट्रों के आयुध निर्यात पर भी फर्क पड़ेगा.इस ऑपरेशन से हमें यह भी ज्ञात हो गया है कि संकट के समय कौन राष्ट्र हमारा साथ देगा और कौन पाकिस्तान का देगा और कौन हमारा मित्र बनने का दिखावा करता है लेकिन समय आने पर मित्रता नहीं निभाएगा। इस अवसर पर श्री मनोहर मधुकर जावरा ने साहित्यकारों को ऑपरेशन सिंदूर की विशेषताओं को जन-जनतक तक पहुंचाने का आवाहन किया। परिचर्चा में श्री सुरेंद्र जैन ने जर्मनी से तो खरगोन से राजकुमार अत्रे, इंदौर से वसीम काजी, झाबुआ से भैरू सिंह चौहान, माखन सिंह खापेड, अलीराजपुर से हेमेंद्र गुप्ता, खंडवा से हंसा शर्मा, मंदसौर से डॉक्टर उर्मिला तोमर, सुरेंद्र शर्मा, श्रीमती चंद्रकला भावसार, नीमच से ओमप्रकाश चौधरी, अविनाश जोशी, शाजापुर से जितेंद्र देशवाल, योगेश उपाध्याय, बडनगर से प्रमोद पंचोली, सनावद से सुरेश अत्रे, पिपलिया मंडी से सुनील माली, आगर से शरद बसिया, महू से उषा किरण त्रिपाठी, जावरा से डॉक्टर प्रकाश उपाध्याय एवं मनोहर मधुकर ने ने सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरुआत नंदकिशोर राठौर मंदसौर के द्वारा सरस्वती वंदना से हुई। संचालन मंदसौर के नरेंद्र भावसार ने किया तथा आभार जर्मनी से डॉ सुरेंद्र जैन भारती ने माना।

# मंदसौर में खसखस व्यापार पर उठते सवाल, भावों में तेजी और मिलावट से बढ़ी चिंता

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** प्रदेश के प्रमुख खसखस उत्पादन केन्द्रों में शुमार मंदसौर में इन दिनों खसखस व्यापार को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। यहां के किसान खसखस मंडी में नीलामी हेतु नहीं लाते, बल्कि सीधे बाजार में व्यापारियों को बेचकर चले जाते हैं। खासतौर पर गोल चौराहा क्षेत्र में कुछ व्यापारी वर्षों र्से खुलेआम खसखस खरीदने का कार्य कर रहे हैं, लेकिन मंडी समिति द्वारा अब तक इनके खिलाफ कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है। इससे मंडी व्यवस्था की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगने लगे हैं।

बीते कुछ सप्ताहों से खसखस के दामों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। व्यापारियों का अनुमान है कि यह रुझान आगे भी जारी रह सकता है। वर्तमान में नीमच मंडी में खसखस 1,600 से 1,700 रुपये प्रति किलो के बीच बिक रहा है, जबकि उपभोक्ता केंद्रों जैसे कोलकाता में इसका मूल्य 2,000 से 2,500 रुपये प्रति किलो तक पहुँच चुका है। व्यापारिक सूत्रों का मानना है कि बाजार में वास्तविक मांग की तुलना में सट्टेबाजी अधिक हो रही है, जिससे भाव अनियंत्रित रूप से बढ़ रहे हैं। टर्की से खसखस के आयात पर पिछले दो वर्षों र्से रोक के बाद भारत सरकार ने अब पूरी तरह व्यापार प्रतिबंधित कर दिया है। इससे आयात की कोई संभावना शेष नहीं रही, और घरेलू बाजार में सप्लाई पर भारी दबाव बना है। इसी स्थिति का लाभ उठाते हुए कुछ व्यापारी भाव 2,000 रुपये प्रति किलो पार करने की बात कर रहे हैं। नीमच मंडी में टिनोपाल ब्रांड का खसखस भी 1,650 से 1,700 रुपये प्रति किलो की दर से बिक रहा है। वहीं, कोलकाता जैसे उपभोक्ता केंद्रों में यह 1,750 रुपये तक पहुँच गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि टर्की से आयात पुन: आरंभ नहीं हुआ, तो घरेलू बाजार में और तेजी संभव है।

नेमीचंद राठौर

इस तेजी के माहौल में कुछ असामाजिक तत्व लाभ उठाने की कोशिश में जुट गए हैं। जानकारी के अनुसार, कुछ व्यापारी खसखस में मुर्गीदाना मिलाकर उसे ऊँचे दामों पर बेच रहे हैं। साथ ही, किराना वस्तुओं में भी मिलावट की घटनाएँ बढ़ रही हैं, जिससे उपभोक्ताओं की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। खाद्य सुरक्षा विभाग को इस स्थिति पर सजगता से कार्य करते हुए नियमित निरीक्षण एवं सैंपलिंग बढ़ानी होगी, ताकि मिलावटखोरों पर अंकुश लगाया जा सके और उपभोक्ताओं को शुद्ध व सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके। कुल मिलाकर, मंदसौर में खसखस व्यापार की मौजूदा स्थिति कई स्तरों पर समीक्षा और सख्ती की मांग कर रही है। बाजार की पारदर्शिता बनाए रखने, उपभोक्ता हितों की रक्षा करने और मिलावट के खिलाफ ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

## भाजपा नगर मण्डल द्वारा आज निकलेगी तिरंगा यात्रा

**जावरा, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** भारतीय सेना के सफल सिंदुर आपरेशन पर प्रत्येक देश वासी को गर्व है सेना पर विश्वास है पूरा देश सेना के साथ है भारतीय सेना के सम्मान में भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल जावरा द्वारा आयोजित भव्य विशाल तिरंगा यात्रा 25 मई रविवार शाम 04 बजे गीताभवन से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए घंटाघर चौराहा पर तिरंगा यात्रा का नगर मंडल के अध्यक्ष राजेश शर्मा एवं वरिष्ठ भा ज पा नेताओ के नेतृत्व में भी समापन होगा।

उक्त जानकारी देते हुए मिडिया प्रभारी संदीप रांका जावरा ने बताया की तिरंगा यात्रा में जावरा नगर में निवासरत सभी भारतीय जनता पार्टी के नगर मंडल के समस्त नवनियुक्त पदाधिकारीगण, प्रदेश कार्य समिति सदस्य, सभी जीते हारे पार्षद समस्त पूर्व पदाधिकारीगण, समस्त वरिष्ठनेतागण, समस्त मोर्चा और प्रकोष्ठों के अध्यक्ष गण और उनकी कार्यकारिणी समस्त पुर्व और वर्तमान जनप्रतिनिधि गण, शक्ति केन्द्र के पंच परमेश्वर, बूथ टोली व समस्त कार्यकर्ता साथी अधिक से अधिक की संख्या में पधारकर देश भक्ति का परिचय देवे।

## शनि जयंति के लिए

शनि जयंती को लेकर शहर के शनि मंदिरो में तैयारिया शुरु हो गई है। इस अवसर पर जगह-जगह भंडारे का आयोजन भी होगा। शनिवार को भी शनि मंदिरो में भक्तो की भीड़ रही।

# श्री राम कथा तुलसी विवाह एवं सर्वजातीय नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन का शंखनाद आज से

**नीमच, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** शुकदेव मुनि की तपोस्थली के समीप श्री गोपाल कृष्ण गौशाला एवं कल्पवृक्ष धाम अनोपपुरा, कनेरा घाटा क्षेत्र के तत्वाधान में श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर परम पूज्य गुरुदेव अनंत विभूषित ईश्वरानंद ब्रह्मचारी ध्यान योगी महर्षि उत्तम स्वामी जी महाराज के मुखारविंद से श्री राम कथा, तुलसी विवाह एवं सर्वजातीय नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन का शंखनाद शनिवार 24 मई से रविवार 1 जून तक प्रतिदिन रात्रि 8:30 बजे नवाहन पारायण पाठ के आयोजन से हुआ। कथा कार्यक्रम के अंतर्गत अभियान की पावन श्रृंखला में कार्यक्रम में अभी तक 9 विवाह योग्य युवक युवतियों के जोड़ों का पंजीयन हो चुका है। अभियान में महिला मंडल की नर्मदा बाई सेन व शीला व्यास विगत डेढ माह से निरंतर क्षेत्र में घर-घर द्वार पहुंचकर जनसंपर्क अभियान में नागरिकों से संपर्क कर रही है। । श्री राम कथा का शुभारंभ आज रविवार 25 मई को सुबह 7 बजे 251 गांवों की प्रभात फेरियो का गौशाला में भ्रमण से होगा। गौशाला सह सचिव रामनारायण बीर ने बताया कि कार्यक्रम की पावन श्रृंखला में ज्येष्ठकृष्ण त्रयोदशी 25 मई रविवार को प्रात: 11 बजे गौ माता का पूजन एवं श्री राम कथा का शुभारंभ होगा।कार्यक्रम की पावन श्रृंखला में तुलसी विवाह एवं सर्वजातीय निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन 1 जून को सुबह 7 बजे जोड़ों का आगमन होगा। वर निकासी एवं तोरण सुबह 8 बजे होगा, पाणीग्रहण संस्कार 8:30 बजे और दोपहर 3 बजे विदाई कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम हेतु पत्रिका वितरण का कार्य महंत लालनाथ महाराज गौशाला अध्यक्ष पुष्कर कुमार शर्मा, पुर्व उप सरपंच कन्हैया लाल धाकड़, छगन लाल धाकड, आदर्श गर्ग सहित कई कार्यकर्ता नीमच, मंदसौर, जयपुर में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों को आमंत्रण दिया हैं। इस अवसर पर वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ, नवीन टीन शेड का लोकार्पण, गोपालक एवं भामाशाह सम्मान समारोह, 'गोमय वसते लक्ष्मी 'पत्रिका का विमोचन पूज्य संतों के पावन सानिध्य में आयोजित किया जाएगा।

## अब मतदान केंद्र के बाहर मोबाइल जमा कर सकेंगे वोटर, प्रचार नियमों में भी बड़े बदलाव

**नई दिल्ली, 24 मई।** चुनाव आयोग ने मतदान के दिन व्यवस्थाओं को और बेहतर करने, साथ ही मतदाताओं की सुविधा बढ़ाने के मकसद से मतदान केंद्रों पर मोबाइल फोन जमा करने के लिए काउंटर स्थापित करने का ऐलान किया है। इसके अलावा दो और निर्देश जारी किए हैं। ये निर्देश जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और चुनाव संचालन नियम, 1961 के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुरूप हैं। रअसल आयोग ने मतदान केंद्रों के ठीक बाहर मोबाइल डिपॉजिट सुविधा देने का निर्णय लिया है। ये फैसला शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में मतदान के दिन न केवल बड़े पैमाने पर मतदाताओं, खासकर वरिष्ठनागरिकों, महिलाओं और दिव्यांगों को मोबाइल फोन के प्रबंधन में आने वाली चुनौतियों को देखते हुए लिया गया है।

**मोबाइल फोन करने की सुविधा**–चुनाव आयोग के निर्देश के मुताबिक मतदान केंद्र के 100 मीटर के भीतर केवल मोबाइल फोन की अनुमति होगी। लेकिन मोबाइल को स्विच-ऑफ मोड में रखना होगा। मतदान केंद्र के एंट्री गेट के पास बहुत ही साधारण पिजनहोल बॉक्स या जूट बैग उपलब्ध कराए जाएंगे, जहां मतदाताओं को अपने मोबाइल फोन जमा करने होंगे।

**कुछ मतदान केंद्रों पर होगी छूट**–मतदाता को मतदान केंद्र के अंदर मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, रिटर्निंग अधिकारी द्वारा प्रतिकूल स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर कुछ मतदान केंद्रों को इस प्रावधान से छूट दी जा सकती है। चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 49एम, जो मतदान केंद्र के भीतर मतदान की गोपनीयता सुनिश्चित करता है, का सख्ती से पालन किया जाएगा।

**प्रचार नियमों में भी बड़े बदलाव**–इसके अलावा चुनाव आयोग ने पार्टियों और उम्मीदवारों को मतदान केंद्र के प्रवेश द्वार से 100 मीटर की दूरी पर अनौपचारिक मतदाता पहचान पर्चियां वितरित करने के लिए बूथ स्थापित करने की अनुमति देने का भी फैसला किया है। अभी तक यह सीमा 200 मीटर थी। हालांकि, मतदान के दिन मतदान केंद्र के आसपास 100 मीटर की परिधि में चुनाव प्रचार की अनुमति नहीं होगी।

## ग्रीष्म ऋतु में पशुओं का हीट स्ट्रोक से बचाव

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** उपसंचालक पशुपालन विभाग द्वारा बताया गया है कि ग्रीष्म ऋतु में माह अप्रैल, मई जुन में अत्यधिक तापमान होने से पशुओं पर इसका सीधा असर होता है। हीट स्ट्रोक होने पर पशु सुस्त हो जाते है, पशु सिर नीचे रखते हुये मुँह खोल कर साँस लेते है। पशु के शरीर का तापमान बढ जाता है पशु के मुँह से लार गिरती है श्वांस गति बढ जाती है एवं नाक व नथुने सुख जाते है। पशु का दुग्ध उत्पादन अचानक कम हो जाता है। हीट स्ट्रोक से बचाव हेतु पशुओं को चारा दाना सुबह जल्दी एवं देर शाम को दे क्योंकि इनके पाचन से शरीर में उष्मा पैदा होती हैं। दिन में पशुओं को हरा चारा देवे इससे आवश्यक खनिज तत्व एव पानी की पूर्ति होगी। पशुओं को स्वच्छ ठंडा जल दिन में चार से पांच बार पिलाये। पशुओं को रखने का स्थान साफ एवं खुला हवादार होना चाहिये। पशुशाला में टाट बोरिया आदि भिगोकर लगा सकते है। पशुशाला में पखे एवं पानी के फव्वारे भी उपयोग कर सकते हैं। पशुओं को सुबह शाम ठंडे पानी से नहलाये।

# जनभागीदारी कर्मचारियों को स्थाई कर्मी के रूप में मिली नई पहचान

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के रूसा सभागार में आज दिनांक 24 मई 2025 को आयोजित एक समारोह में महाविद्यालय में लम्बे समय से कार्यरत जनभागीदारी कर्मचारियों में से 14 कर्मचारियों को स्थाई कर्मचारियों के रूप में चिन्हित कर आदेश वितरित किए गए। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल जी गुर्जर एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय की स्थानीय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री नरेश जी चंदवानी ने शिरकत की। समारोह में जनभागीदारी समिति के सम्मानित सदस्यों के रूप में श्रीमती प्रीति रोकले, श्री रमेशचन्द्र चन्द्रे, श्री रॉकी यादव, डॉ. आशीष खिमेसरा, डॉ. क्षितिज पुरोहित, श्री बादल शर्मा, श्री दिनेश जाट आदि उपस्थित रहें।

सर्वप्रथम मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य एवं वरिष्ठ आचार्य डॉ वी.पी. तिवारी ने अतिथियों एवं सम्मानित जनभागीदारी समिति सदस्यों का पुष्पहार से स्वागत किया। महाविद्यालय के वरिष्ठप्राध्यापक डॉ. वी.पी. तिवारी ने महाविद्यालय के इन कर्मचारियों के स्थाईकरण की पूरी प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। स्वागत कथन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जे.एस. दुबे ने सभी अतिथिगणों का शब्द सुमनों से स्वागत करते हुए बताया कि यह प्रक्रिया लंबे समय से चल रही थी। विभिन्न समितियों ने इस पर काम किया, परंतु उनके स्थाईकरण की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो पा रही थी। डॉ वी.पी. तिवारी की अध्यक्षता में बनी समिति एवं जनभागीदारी अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी जी के सक्रिय सहयोग से तथा कई दस्तावेजों के संग्रहण एवं उनसे दिशा प्राप्त करने के पश्चात महाविद्यालय इन कर्मचारियों के हित में काम कर पाया है। मेहनत से काम करने वाले कर्मचारियों के प्रति महाविद्यालय के प्राचार्य के रूप में मैंने अपने स्तर पर भी प्रयास किये तथा इनके स्थाईकरण में अपनी भूमिका का स्पष्टनिर्वाह किया। तत्पश्चात महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री नरेश जी चंदवानी ने बताया कि पिछले कई दिनों से महाविद्यालय की इन कर्मचारियों को स्थाई कर्मी के रूप में पहचान देने के लिए प्रयास किये जा रहे थे। विभिन्न शासकीय पत्रों के माध्यम से इन्हें स्थायी कर्मी के रूप में चिन्हित करने हेतु प्रयास किए गए। लगन एवं मेहनत से काम करने के परिणामस्वरूप आज इन कर्मचारियों को आदेश मिले हैं सभी कर्मचारियों को इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए तथा अपने अच्छे काम से नई पहचान बनानी चाहिए। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल जी गुर्जर ने संयमित जीवन के कई उदाहरणों के माध्यम से जीवन में लगन, कठिन समय पर धैर्य मेहनत एवं विपरीत परिस्थितियों में हिम्मत न हारने को लेकर कई संस्मरण सभी के साथ साझा किए। उन्होंने यह भी कहा कि हो सकता है कि स्थाईकरण की प्रक्रिया से बहुत लंबा या अधिक आर्थिक लाभ नहीं मिल पाए परंतु स्थाईकरण अपने आप में चैन की नींद से सोने के लिए पर्याप्त है। कर्मचारियों के धैर्य, लगन और मेहनत से उन्हें आज यह मुकाम प्राप्त हुआ है। इसलिए अपना काम हमेशा लगन और ईमानदारी से करना चाहिए। इनका कार्य महाविद्यालय के अन्य कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। अंत में महाविद्यालय की जन भागीदारी समिति के प्रभारी आचार्य श्री संदीप सोनगरा ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. वीणा सिंह ने किया।

# अभिनंदन नगर में विधायक जैन पहुंचे, सुनी समस्याएं

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक विपिन जैन आज अभिनंदन विस्तार टू में पहुंचे जहां निवासरत लोगों की समस्याएं सुनी। जब विधायक श्री जैन अभिनंदन विस्तार टू में पहुंचे वहां पर स्थानीय निवासीयो की कई समस्याओं को सुना और उन्हें निराकरण का आश्वासन दिया।

गोर तलब है कि कुछ दिनों पहले अभिनंदन विस्तार 2 की महिलाएं, बच्चे, पुरुष अपनी मूलभूत सुविधाए व सड़क, बगीचे की समस्याओं को लेकर विधायक श्री जैन के कार्यालय पर आए थे। सो आज विधायक श्री जैन अभिनंदन विस्तार में पहुंचे जहां पर स्थानीय निवासियों ने पानी, सड़क, बगीचे, साफ सफाई की समस्याएं रखी और उनके निराकरण करने का विधायक श्री जैन से निवेदन किया श्री जैन ने इस अवसर पर सभी लोगों से उनकी समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अभिनंदन नगर मंडलम अध्यक्ष अजय सोनी, सेक्टर अध्यक्ष महेश गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि अनीता भदोरिया उपस्थित थे।

# बड़े अस्पताल से बच्ची चोरी कर ले जा रही महिला को रेलवे पुलिस ने पकड़ा

**रतलाम, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** रतलाम बड़े अस्पताल के बरामदे में मां के साथ सो रही चार माह की बच्ची शीतल को चुराकर ले जा रही इंदौर की एक महिला को रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने पकड़ लिया। घटना स्टेशन रोड थाना क्षेत्र का होने से जीआरपी ने आरोपित महिला व बच्ची को स्टेशन रोड थाने को सौंप दिया, जहां महिला से पूछताछ की जा रही है।

जानकारी के अनुसार जीआरपी थाना प्रभारी मोतीराम चौधरी को एक ऑटो चालक ने सूचना दी थी कि शनिवार तड़के रेलवे स्टेशन के बाहर से एक महिला अकेले उसके ऑटो में बैठकर जिला अस्पताल गई थी। दस मिनट बाद वह एक बच्ची लेकर आई तथा ऑटो में आकर बैठ गई। उसने रेलवे स्टेशन छोड़ने के लिए कहा तो उसे स्टेशन के बाहर छोड़ दिया था।

**बच्ची को गोद में लेकर बैठी थी**–सूचना पर थाना प्रभारी चौधरी ने तत्काल टीम गठित कर एएसआई नौशाद खान, प्रधान आरक्षक मनोहरलाल व साइन बैगम को तत्काल रेलवे स्टेशन क्षेत्र में उक्त महिला को तलाश करने के लिए रवाना किया। टीम ने उसकी खोजबीन शुरू की तो उक्त महिला बच्ची को गोद में लिए प्लेट फार्म नम्बर चार के बाहर एक स्थान पर बैठी दिखाई दी। टीम ने उसके पास जाकर बच्ची के बार में जानकारी ली वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाई। इसके बाद उसे जीआरपी थाने ले जाया गया तो महिला ने बताया कि उसका नाम तरन्नूब बी पत्नी मेहफूज अंसारी है तथा वह राबर्ट चौराहा के पास खजराना इंदौर की रहने वाली है।

**रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्रों में घूम रही थी**–उसने अपना नाम 27 वर्षीय बताया कि वह बच्ची को बड़े अस्पताल से लेकर आई है। आरोपित तरन्नुम व बच्ची को अग्रिम जांच के लिए स्टेशन रोड थाना पुलिस को सौंपा गया है। उधर, बच्ची की मां ने स्टेशन रोड थाने पर प्रकरण दर्ज कराया है। बताया जाता है कि आरोपित तरन्नुम तीन-चार दिन तक रतलाम रेलवे स्टेशन व आसपास के क्षेत्रों में घूम रही थी।

**टीबी का इलाज कराने आई थी**–शीतल की मां किरण पत्नी गुनील बदले निवासी ग्राम अजंदा जिला धार ने स्टेशन रोड थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह ग्राम अंजदा की रहने वाली है तथा पिछले कुछ समय से अपनी मां रेखा, तीन वर्ष के पुत्र कृष्णा व चार माह की पुत्री शीतल के साथ जावरा में हुसैन टेकरी क्षेत्र के रोजाना रोड पर रह रही है। मुझे टीबी की बीमारी हो गई है, इसलिए वह 23 मई की रात करीब आठ बजे मां, पुत्र व पुत्री के साथ इलाज कराने बड़े अस्पताल आई थी। रात में इलाज नहीं होने से हम सभी लोग जिला अस्पताल के ओपीडी बरामदे में सो गए थे। रात करीब साढे तीन बजे उसके पास सो रही बेटी शीतल दिखाई नहीं दी। आसपास तलाश करने पर भी उसका पता नहीं चला। उसे कोई उठाकर ले गया है।

**सही जानकारी नहीं दी**–सूचना मिलने पर आरोपित तरन्नुम को बच्ची के साथ पकड़ा गया है। उसने सही जानाकरी नहीं दी। घटना स्थल स्टेशन रोड थाना क्षेत्र का होने से आरोपित महिला व बच्ची को स्टेशन रोड थाना पुलिस को सौंपा गया है। - मोतीराम चौधरी, थाना प्रभारी जीआरपी

**पूछताछ की जा रही है**–आरोपित महिला ने अभी यह नहीं बताया है कि उसने बच्ची को क्यों चुराया। उससे पूछताछ की जा रही है।

**स्वराज डाबी**
**थाना प्रभारी स्टेशन रोड**

## दाना एवं पानी की व्यवस्था जनमानस करें

**मंदसौर, 24 मई गुरु एक्सप्रेस।** उपसंचालकपशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा बताया गया कि भीषण गर्मी को देखते हुये सभीशासकीय, अर्द्धशासकीय एवं निजी प्रतिष्ठानों के आस-पास पक्षियों के लिये पेड़ों परपानी के पात्रों को लगवाये जाएँ एवं उनमें प्रतिदिन पानी की उपलब्धता की जायें, जिन क्षेत्रों में पक्षियों की आवाजाही अधिक रहती है वहाँ के पेड़ों पर दाने केलिये पात्रों की व्यवस्था की जावें। क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर स्ट्रीट डॉगएवं पशुओं के लिये पानी एवं खाने की व्यवस्था की जाएँ, जिससे आम जनमानस को डॉगबाईट से बचाया जा सकें। सामाजिक संस्थाएँ एवं आम जनमानस स्ट्रीट डॉग पशुओं एवंपक्षियों के रक्षार्थ में अपना सहयोग प्रदान करें, ताकि स्ट्रीट डॉग, पशुओं एवंपक्षियों को इस भीषण गर्मी से बचाया जा सकें।

## मगरमच्छ के हमले से मजदूर...

पेज 1 से जारी

में रमेश का पैर गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे पहले रतनगढ़ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद नीमच के बड़े अस्पताल रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के मुताबिक समय पर उपचार मिलने से रमेश की जान बच गई। हालांकि, पैर में गहरा जख्म है और लंबे इलाज की जरूरत होगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि गुंजली नदी में पहले भी मगरमच्छ देखे गए हैं। लेकिन, प्रशासन ने न तो कोई चेतावनी जारी की और न ही सुरक्षा के उपाय किए। लोग नदी के इस हिस्से को प्रतिबंधित करने और मगरमच्छ को पकड़ने की मांग कर रहे हैं।

## बलूच नेता तारा चंद ने लगाई पीएम मोदी से मदद की गुहार...

# पाकिस्तानी सेना हत्याएं करके शवों को फेंक रही

**नईदिल्ली, 24 मई।** बलूच अमेरिकी कांग्रेस (बीएसी) के अध्यक्ष और बलूचिस्तान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री तारा चंद बलूच ने पाकिस्तान के इस क्षेत्र पर वर्चस्व के खिलाफ चल रहे मौजूदा बलूच राष्ट्रीय संघर्ष में भारत से नैतिक, राजनीतिक और कूटनीतिक सहायता का आह्वान किया है। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय को लिखे दो औपचारिक पत्रों में, डॉ. चंद ने बलूचिस्तान के प्रति भारत के पूर्व के रवैये की प्रशंसा की और भारत से प्रांत में पाकिस्तान द्वारा किए गए मानवाधिकारों के उल्लंघन को प्रकाश में लाने में एक मजबूत वैश्विक भूमिका अपनाने के लिए कहा।

लाल किले पर पीएम मोदी के ऐतिहासिक स्वतंत्रता दिवस भाषण का जिक्र करते हुए, जहां उन्होंने बलूचिस्तान का दुर्लभ उल्लेख किया था, डॉ. चंद ने कहा, 'लाल किले के अपने संबोधन में बलूचिस्तान का आपका संदर्भ दुनिया भर के बलूच लोगों द्वारा उस राष्ट्र के लिए नैतिक समर्थन के संकेत के रूप में स्वीकार किया गया था जिस पर पाकिस्तान द्वारा कब्जा, अधीनता और आतंकित किया गया है।' डॉ. चंद के अनुसार, उस प्रतीकात्मक स्वीकृति ने दुनिया भर के बलूच लोगों को नई उम्मीदें दी थीं, जो आत्मनिर्णय के अपने लंबे संघर्ष में भारत को एक संभावित नैतिक भागीदार मानते हैं। डॉ. चंद ने 1948 में बलूचिस्तान के पाकिस्तान में जबरन विलय का जिक्र करते हुए इसे 'क्रूर कब्जे' की शुरुआत बताया। पत्र में पाकिस्तान की सेना पर हजारों बलूच नागरिकों के लापता होने, यातना, हत्या और विस्थापन सहित व्यवस्थित अत्याचार करने का आरोप लगाया गया है। पत्र में कहा गया है, 'एक जिहादी सेना द्वारा शासित, यह खराब तरीके से कल्पित देश पपाकिस्तानब मेरे हजारों देशवासियों के लापता होने, यातना, मौत और विस्थापन के लिए जवाबदेह है।' उन्होंने आगे कहा कि बलूच राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन, जो दशकों से चल रहा है, अभी भी पाकिस्तान की सेना और खुफिया प्रतिष्ठान द्वारा क्रूर दमन के अधीन है।

डॉ. चंद ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के माध्यम से बलूचिस्तान में चीन की बढ़ती उपस्थिति पर भी चिंता व्यक्त की, इसे 'एक नई औपनिवेशिक शक्ति' करार दिया जो क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए और खतरा पैदा कर रही है। अधिकृत बलूचिस्तान में चीन की उपस्थिति अपने सबसे अच्छे रूप में नव-उपनिवेशवाद है। इसने बलूच की दुर्दशा को मजबूत किया है और पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र के लिए रणनीतिक जोखिम बढ़ा दिए हैं।' डॉ. चंद ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि पर फिर से विचार करने के पीएम मोदी के कथित कदम की भी सराहना करते हुए इसे एक साहसिक और समय पर लिया गया फैसला बताया। 'मैं सिंधु जल संधि को रोकने और पाकिस्तान के जिहादी जनरलों को यह स्पष्ट करने के आपके चतुर निर्णय की सराहना करता हूं कि रक्त और पानी एक साथ नहीं रह सकते।' इस तथ्य पर निराशा के साथ कि लंदन में ऐतिहासिक विरोध के बाद अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित नहीं हुआ, डॉ. चंद ने भारत से बलूच लोगों की दुर्दशा को सामने लाने में नेतृत्व की भूमिका निभाने की अपील की। 'भारतीय मीडिया के बाहर, अधिकृत बलूचिस्तान में पाकिस्तानी राज्य द्वारा किए गए अत्याचारों को बहुत कम स्वीकार किया जाता है। इस बातचीत का वैश्विक स्तर पर नेतृत्व करने के लिए भारत के पास नैतिक अधिकार और भू-राजनीतिक स्थिति है।' उन्होंने आगाह किया कि महत्वपूर्ण समर्थन के बिना, बलूचिस्तान में आंदोलन समाप्त हो जाएगा, जिससे 'उपनिवेशवाद के एक गंभीर युग' का द्वार खुल जाएगा। क्षेत्र के विशाल प्राकृतिक धन और रणनीतिक तटरेखा पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. चंद ने कहा कि एक स्वतंत्र और स्थिर बलूचिस्तान क्षेत्र में शांति और समृद्धि के लिए एक ताकत के रूप में काम कर सकता है। 'एक स्वतंत्र और सहयोगी बलूचिस्तान भारत और दक्षिण एशिया के प्रत्येक शांतिप्रिय नागरिक को लाभान्वित करेगा। भारत के लिए यह समय है कि वह बलूचिस्तान को 21वीं सदी के एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक लीवर के रूप में पहचाने।'


A JAY SENDHAV ADVOCATE
Office: 12, Chamunda Complex, Dewas Dist- Dewas (M.P.) 455001 Email: as71708@gmail.com Mob. No.- 97534-41943
Residence: 613, LIG III Mukharji Nagar, Dewas Dist- Dewas (M.P.) 455001 Mob. No. 93000-30939

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण हर आम एवं खास को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार - भुवानीसिंह सोलंकी पिता श्री प्रभुसिंह निवासी ग्राम तखतपुरा, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर(म.प्र.) के द्वारा उनके मालीकी, अधिपत्य एवम कब्जे की सम्पत्ति जो की मकान/भूखंड क्रमांक. 103. ग्राम तखतपुरा, ग्राम पंचायत कांचरिया कदमाला, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर(म.प्र.) प.ह. क्रमांक. 125, जिसका कुल क्षेत्रफल- 2862.16Sq. Ft. (266 Sq. Mitr.) है उस पर अपनी पत्नी श्रीमती मोहनबाई पति श्री भुवानीसिंह सोलंकी, निवासी-ग्राम तखतपुरा, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर(म.प्र.)को सह- स्वामी बनाया गया है, जिसका ई-पंजीयन दस्तावेज (E-REGISTERED CO-OWNERSHIP DEED) क्रमांक - MP15IGR17852025A100337632, दिनांक 20.05.2025, है, तथा उक्त संपति को मॉर्गेज (MORTGAGE) किया जा रहा है व उस पर (INDIA SHELTER FINANCE CORPORATION LIMITED) से लोन लिया जा रहा है।

यह की उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी अन्य व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का किसी भी प्रकार का कोई ऋण, भार या आपत्ति हो तो उक्त जाहीर सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस मे मय दस्तावेजी प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर आपत्ति प्रस्तुत करे, उपरोक्त अवधि के पश्चात किसी की भी उजर आपत्ति मान्य नहीं होगी सूचित हो।

देवास — अजय सेंधव, एडवोकेट
दिनांक : 23.05.2025 — 12, चामुण्डा काम्पलेक्स, देवास (म.प्र.)



इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर
त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन
डॉ. परीक्षित शर्मा
एम.डी. (स्कीन)
रविवार 25 मई को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

सुविधाएं- ✻ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, आँखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✻ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✻ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✻ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✻ शरीर पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✻ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✻ बच्चों व बुजुर्गों की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✻ नाखून में होने वाले रोगों का उपचार, ✻ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)

करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड, मंदसौर सम्पर्क-9424813088


स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in